प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-109 | सांध्य दैनिक | मथुरा, सोमवार, 15 जून 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

बिहारीजी की झलक पाने को उतावले हो गए श्रद्धालु

सोमवती अमावस्या पर वृंदावन की गलियों में उमड़ी भीड़।

राजाधिराज बाजार स्थित द्वारकाधीश मंदिर में दर्शन कों उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़।

यमुना में श्रद्धा की डुबकी

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार को सोमवती अमावस्या पर भक्ति और भाव के आस्था का भाव बना। यमुना किनारे घाटों पर श्रद्धालुओं ने धार्मिक कार्यक्रम किए और यमुना में आस्था की डुबकी लगाई। मंदिरों में पूजा– अर्चना का दौर चला, जबकि पितरों को भी याद किया गया। इस दौरान विविध धार्मिक अनुष्ठान भी किए गए।

सोमवती अमावस्या पर धर्म नगरी में यमुना घाट किनारे आस्था का सैलाब दिखा। शहर के अलावा दूर दराज से आए श्रद्धालुओं ने यमुना में आस्था की डुबकी लगाई। स्नान के साथ–साथ पूजा अर्चना भी की तो दान–पुण्य भी किया। सोमवती अमावस्या पर श्रद्धालुओं में उत्साह दिखाई दिया। स्नान के लिए श्रद्धालु भोर से यमुना किनारे घाटों पर आ गए थे। वहीं, श्रद्धालुओं की भीड़ के चलते यमुना घाट किनारे मेले जैसा माहौल दिखाई दिया। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने पीपल वृक्ष की परिक्रमा की और विधि–विधान से पूजा–अर्चना की। महिलाओं ने पीपल वृक्ष पर कच्चा सूत बांधकर परिवार की सुख–समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना की। इस दौरान किशोर युवक– युवतियां यमुना में जमकर गोते लगाते रहे, जबकि घाट किनारे स्थित मंदिरों में पूजा भी की गई।

द्वारकाधीश में उमड़ा भक्तों का रेला

प्रसिद्ध द्वारकाधीश मंदिर में भी आराध्य के दर्शन को भक्तों का रेला उमड़ा। मंदिर परिसर का हर कोना श्रद्धालुओं से भरा दिखाई दिया। पुरुषोत्तम माह के समापन पर यहां विशेष धार्मिक आयोजनों और उत्सवों का आयोजन किया गया, जिसने भक्तों को आध्यात्मिक आनंद से भर दिया।

सोमवती अमावस्या पर विश्राम घाट यमुना में स्नान करते श्रद्धालु।

सोमवती अमावस्या पर वृंदावन में उमड़ी आस्था

सुरक्षा व्यवस्था दिखी कमजोर, लगे जयकारे

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार को सोमवती अमावस्या पर वृंदावन स्थित बांकेबिहारी की झलक पाने को श्रद्धालु उतावले होते रहे। दर्शन करने को धक्का- मुक्की का दौर भी चला। श्रद्धा भरी भीड़ के आगे सुरक्षा भी कमजोर होती रही। इस दौरान वातावरण भगवान के जयकारों से गूंजता रहा।

पुरुषोत्तम मास के अंतिम दिन और सोमवती अमावस्या के शुभ संयोग पर ब्रजभूमि श्रद्धा और भक्ति के रंग में रंगी नजर आई। वृंदावन, मथुरा और आसपास के प्रमुख मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। ठाकुर बांके बिहारी, द्वारिकाधीश, रंगनाथ और अन्य प्रमुख मंदिरों में दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी रहीं। भक्त अपने आराध्य की एक झलक पाने के लिए घंटों तक इंतजार करते दिखाई दिए।

वृंदावन स्थित ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में सुबह से ही भारी भीड़ देखने को मिली। मंदिर तक पहुंचने वाले मार्ग श्रद्धालुओं से खचाखच भरे रहे। हालात ऐसे रहे कि सामान्य दिनों में पांच मिनट में तय होने वाला रास्ता पार करने में लोगों को लगभग एक घंटे का समय लग गया। दर्शन के लिए लगी लंबी कतारों में बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग भी शामिल रहे। भीड़ के बीच कई श्रद्धालु गर्मी और उमस से परेशान दिखाई दिए, लेकिन आराध्य के दर्शन की श्रद्धा उनके उत्साह को कम नहीं कर सकी।

भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस और प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए थे। मुख्य मार्गों पर बैरिकेडिंग और होल्डिंग एरिया बनाए गए थे, जहां श्रद्धालुओं को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया गया। विद्यापीठ चौराहे से लेकर मंदिर की गलियों तक हर तरफ श्रद्धालुओं की भीड़ नजर आई।

गोवर्धन में नजर आया आस्था का सैलाब

पुरुषोत्तम मास के अंतिम दिवस शनिवार की रात गोवर्धन में आस्था का सैलाब बना। परिक्रमा को उमड़े श्रद्धालुओं की वजह से समूचे परिक्रमा मार्ग पर मानव श्रंखला बन गई। लाखों श्रद्धालुओं ने गोवर्धन स्थित गिरिराजजी की परिक्रमा कर अपनी आस्था प्रकट की। तपती धूप में नंगे पांव परिक्रमा करने वाले भक्तों की सेवा के लिए ब्रजवासियों ने जगह–जगह भंडारे और विश्राम स्थलों की व्यवस्था की।

दूसरों को बदलने की जिद बिगाड़ती है रिश्ते

रिश्तों में सीमाएं बनाएं, दूरियां नहीं बढ़ाएं

यूनिक समय, मथुरा। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और सोशल मीडिया के दौर में रिश्तों में "सीमाएं" तय करने की सलाह आम हो गई है। माना जाता है कि इससे मानसिक तनाव कम होता है और संबंध बेहतर बनते हैं। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि अधिकांश लोग सीमाओं का सही अर्थ नहीं समझ पाते, जिसके कारण रिश्तों में सुधार की बजाय कड़वाहट बढ़ने लगती है।

अमेरिकी रिलेशनशिप थेरेपिस्ट मीना बी और फैमिली थेरेपी विशेषज्ञ डॉ. नाइला वॉरेन के अनुसार, लोग अक्सर सीमाओं को सामने वाले व्यक्ति को बदलने या नियंत्रित करने का तरीका मान लेते हैं। जबकि वास्तविकता में सीमा तय करने का उद्देश्य दूसरों को बदलना नहीं, बल्कि अपने व्यवहार और प्रतिक्रिया को नियंत्रित करना होता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, अनुरोध और सीमा के बीच का अंतर समझना बेहद जरूरी है।

यदि आप किसी से कहते हैं कि वह आपके निजी मामलों में दखल न दे, तो यह एक अनुरोध है। लेकिन यदि वह व्यक्ति फिर भी ऐसा करता है और आप वहां से हट जाते हैं, तो यह आपकी तय की हुई सीमा है। यानी सीमा वह निर्णय है, जिस पर आपका स्वयं का नियंत्रण होता है।

खुद को बदलें, रिश्ते बेहतर बनेंगे

स्पष्ट मर्यादाएं रिश्तों को मजबूत बनातीं

डॉ. नाइला वॉरेन का कहना है कि हम दूसरों की सोच या व्यवहार नहीं बदल सकते, लेकिन यह तय कर सकते हैं कि किसी परिस्थिति में हमारी प्रतिक्रिया क्या होगी। यही स्वस्थ सीमाओं की असली पहचान है।

विशेषज्ञ रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए कुछ सरल सुझाव भी देते हैं। जैसे छोटी–छोटी बातों में "ना" कहना सीखना, अपनी बात स्पष्ट रखना, तय नियमों का पालन करना और जरूरत पड़ने पर अपनी सीमाओं को दोहराने से न हिचकना। साथ ही यह स्वीकार करना भी जरूरी है कि सीमा तय करना कभी–कभी असहज महसूस करा सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि स्वस्थ सीमाएं रिश्तों को कमजोर नहीं करतीं, बल्कि उनमें सम्मान, भरोसा और सुरक्षा की भावना को मजबूत बनाती हैं। रिश्ते तब नहीं टूटते जब हम "ना" कहना सीखते हैं, बल्कि तब कमजोर पड़ते हैं जब हम अपनी भावनाओं और जरूरतों की अनदेखी करते रहते हैं।

कृष्ण जन्मभूमि परिसर में हुआ योग सप्ताह शुभारंभ

अधिकारियों संग जनप्रतिनिधियों ने किया योगाभ्यास

जन्मभूमि परिसर में योग सप्ताह पर योग क्रियाएं

21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, सभी से सहभागिता का बात

श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर में आयोजित योग सप्ताह के दौरान योग क्रिया के दौरान सीडीओ डा. पूजा गुप्ता एवं मौजूद अधिकारी आदि।

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार को योगीराज कृष्ण की जन्मभूमि में योग क्रियाओं के साथ योग सप्ताह का शुभारंभ हुआ। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने चुस्त– दुरस्त रहने को योग क्रियाएं कीं। 21 जून को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में सभी से सहभागिता से आह्वान किया गया। श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर परिसर में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सप्ताह का शुभारंभ विधायक पूरन प्रकाश, सीडीओ पूजा गुप्ता आदि ने किया। शुभारंभ भगवान धनवंतरी की पूजा और दीप प्रज्वलन के साथ आयुष विभाग के चिकित्साधिकारी डॉ. मनीषा शर्मा और डॉ. रितिशा वर्मा ने धन्वन्तरि वंदना उच्चारण से हुआ। आयुष विभाग के क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. डिगम्बर सिंह, चिकित्सक डॉ. अमन नवल सिंह वरुण,डॉ. यादवेंद्र सिंह, डॉ. अमित गुप्ता, डॉ. सचिन शर्मा, डॉ. प्रतिज्ञा चौहान ने अतिथियों और अधिकारियों का स्वागत किया गया। योग सप्ताह में सामान्य योग प्रोटोकॉल का सत्र आयोजित हुआ। योगाचार्य सौरभ सिंह, शन्नों शुक्ला और पारुल शर्मा ने योगाभ्यास कराया गया और प्रत्येक आसन के लाभ भी बताए। सामान्य योग सिद्धांतों की भी जानकारी दी गई। आयुष विभाग के अनुसार, इस कार्यक्रम के अलावा योग सप्ताह का शुभारंभ सभी ब्लॉक, तहसील स्तर पर पार्क, अमृत सरोवर, घाट, जिला कारगार, किशोर संप्रेक्षण गृह,समाज कल्याण के अंतर्गत मान्य छात्रावास, दिव्यांग विद्यालय, रमन रेती आदि स्थानों पर भी हुआ। कार्यक्रम में शामिल जन मानस को योगाभ्यास के प्रति प्रेरित किया गया और 21 जून को मुख्य आयोजन में बड़ी संख्या में प्रतिभाग करने को कहा गया। जन्मभूमि पर आयोजित योग सप्ताह में आयुष विभाग के चिकित्साधिकारी डॉ. अमित गुप्ता, डॉ. सचिन शर्मा, डॉ. प्रतिज्ञा चौहान, जिला कार्यक्रम प्रबंधक अखिलेश कुमार विश्वकर्मा, कार्यालय स्टाफ मनीष निगम, दामोदर, शिब्बू और चिकित्सालय स्टाफ पंकज कुमार, भूप सिंह,सतीश,लव, अंकुर,कमल सिंह,निशांत माथुर, आकाश, रोहित आदि का सहयोग सराहनीय रहा। संचालन डा. नेहा ने किया।

वृंदावन में सायं के वक्त मौसम बिगड़ा

अंधेरा छाने से पक्षी घौंसलों में लौटे

कहीं–कहीं बारिश होने से लोगों को राहत मिली

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। सोमवार शाम करीब चार बजे आसमान में धूल भरी आंधी से अंधियारा छाया तो आसमान में उड़ते पक्षी झटपट अपने घौंसलों की ओर आने लगे। लोग समझ नहीं पाए, आखिर क्या हो गया। विद्युत आपूर्ति भी गुल हो गई। अब तो यह शंका सताने लगी कि कहीं तेज आंधी आ गई तो कई घंटे के लिए विद्युत आपूर्ति गायब हो सकती है।

कई इलाकों में बारिश होने से मौसम सुहावना हो गया। मौसम पलटने से लोगों को गर्मी से राहत मिली। कुछ देर के बाद ही फिर से आसमान में बादलों के बीच भास्कर देव निकल आए तो अंधेरा छट गया। घौंसलों में घुसे पक्षी भी बाहर निकल आए। मौसम बदलने से लिए लोग तरह –तरह कयास लगा रहे हैं। हालांकि अभी मानसून आने में काफी समय हैं।

स्काउट गाइड संस्था ने जिला विद्यालय निरीक्षक का सम्मान

यूनिक समय, मथुरा। भारत स्काउट गाइड के जिला मुख्य आयुक्त, प्रधानाचार्य डॉ. कमल कौशिक के नेतृत्व में जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेंद्र सिंह का उत्तर प्रदेश भारत स्काउट गाइड संस्था के पदाधिकारियो ने स्मृति चिन्ह पटुका पहनकर स्वागत किया। प्रधानाचार्य परिषद के जिला अध्यक्ष डा. मनवीर सिंह जिला स्काउट कमिश्नर निखिल अग्रवाल , जिला सचिव स्काउट जोगेंद्र सिंह , जिला ट्रेनर मनोज रावत , जिला मीडिया प्रमुख गोवर्धन दास गुप्ता ,संजय कुमार पांडे, सुषमा अग्रवाल अशोक सोलंकी, पवन गौतम,डॉ चंद्रभान यादव सुरेश चंद्र तोमर, वीरेंद्र कुमार उपाध्याय शामिल थे।

गांव पलसों के अमृत सरोबर पर कब्जा कर रहे दबंग

ग्रामीणों ने दबंगों पर लगाया आरोप, जिला पंचायत की धनराशि से हो रहा काम

डीएम से शिकायत दबंगों से तहसील प्रशासन नहीं वसूला सका है रिकवरी का धन

गांव पलसों में अमृत सरोवर पर कब्जा के विरोध में डीएम को ज्ञापन देने जाते ग्रामीण।

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार को गोवर्धन तहसील के गांव पलसों के काफी ग्रामीण कलेक्ट्रेट पहुंचे। गांव के ही दबंगों पर अमृत सरोवर पर कब्जा करने का आरोप लगाया।

डीएम को बताया कि दबंग जिला पंचायत से स्वीकृत धनराशि का सहारा लेकर सरोवर को कब्जाने में जुटे हैं। एसडीएम भी दबंगों के खिलाफ कार्रवाई ?करने से हिचक रहे हैं।

ग्रामीण भगवान पांडेय, नत्थीलाल, हरपाल, ओमप्रकाश आदि ने डीएम को बताया कि गांव का खसरा नंबर 580 बंजर भूमि में दर्ज है। इस नंबर के बराबर वाले खसरा नंबर 579 के काश्तकार दीनदयाल, रामकटोरे, सोहन लाल, मोहन, श्याम, भूदेव हेतराम आदि निजी फायदे के लिए बंजर भूमि के पोखर– तालाब की आड़ में चारदीवारी करने में जुटे हैं।

ग्रामीणों ने डीएम को बताया कि दबंगों ने एलान किया है कि उन्होंने जिला पंचायत से इस काम के लिए धनराशि स्वीकृत कराई है।

त्रिवेणी पांडेय के नाम से श्री जी कंस्ट्रक्शन बनाकर जिला पंचायत से कई लाख रुपया स्वीकृत कराया है। ग्रामीणों ने विधायक मेघश्याम पर भी दोहरी राजनीति चलने के आरोप लगाए।

तापमान / मौसम

33 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

24 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,51,680

22 कैरेट 1,39,040

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,65,000 प्रति किलो

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

फोन नंबर–0565–2420150,

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

कोसी के निकासा में बवाल वृद्ध की मौत,इलाके में तनाव

झगड़े में हुई वृद्ध की मौत के बाद शोर-शराबा करते स्थानीय लोग।

दरोगा और सिपाही पर दूसरे पक्ष से मिले होने का आरोप

यूनिक समय मथुरा। मृतक पक्ष के लोगों ने एक दरोगा और सिपाही पर हमलावर पक्ष के साथ मिले होने का आरोप लगाते हुए कहा कि दरोगा और सिपाही ने उनके घर में हमलावरों द्वारा फैंके गए ईट- पत्थरों और कांच की बोतल के टुकड़ों को वहां से जबरन साफ करा दिया। हमलावर पक्ष द्वारा 2013 में जमील मेंबर के बेटे की गोली मारकर हत्या की जा चुकी है।

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के मुस्लिम बहुल मोहल्ला निकासा के नब्बे घर इलाके में सोमवार दोपहर लेन-देन के विवाद को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। दोनों ओर से जमकर लाठी–डंडे चले। घटना में घायल वृद्ध की अस्पताल में मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। घटना के बाद इलाके मे तनाव फैल गया। मृतक पक्ष के लोगों ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए हमलावर पक्ष से मिले होने का आरोप लगाया। तनाव को देखते हुए पुलिस फोर्स को तैनात किया गया है। आज दोपहर मोहल्ला निकासा के नब्बे घर वाले इलाके में रहने वाले राशिद के

पैसे के लेन–देन को लेकर दो पक्षों में जमकर चले लाठी– डंडे

इलाके में तनाव को देखते हुए भारी पुलिस तैनात कई घायल

घर में लड़के की शादी का समारोह चल रहा था। उसके चचेरे भाई सइम की बारात की तैयारी की जा रही थी। तभी नईम पक्ष के लोग वहां आए और राशिद से पैसे के लेन देन को लेकर कहासुनी करने लगे। थोड़ी ही देर में दोनों पक्षों के लोग एक दूसरे झगड़ने के लिए आमने–सामने आ गए। इसके बाद दोनो पक्षों के बीच जमकर गाली-गलौच के बाद मारपीट शुरू हो गई। दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी–डंडे चलने लगे। कुछ लोगों ने पथराव भी शुरू कर दिया।

पथराव और झगड़े के कारण पूरे इलाके में दहशत फैल गई। लोग जान बचाने के लिए घरों में छिप गए और लोगों ने अपने दरवाजे बंद कर लिए। रास्ते में चल रहे लोगों ने भाग कर किसी तरह अपनी जान बचाई। मारपीट में राशिद के चाचा कादिर 60 सहित कई लोग घायल हो गए। गंभीर घायल कादिर को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी मौत हो गई। कादिर की मौत की सूचना मिलते ही माहौल और तनावपूर्ण हो गया। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास किया। इस दौरान मृतक कादिर पक्ष के लोगों ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। इससे हालात बिगड़ने लगे। थाना प्रभारी ने घटना की नजाकत को देखते हुए दूसरे थानों से पुलिस बल को बुलवा लिया। पुलिस ने बाद में घटना करने वाले पक्ष के लोगों के घरों पर दबिश दी, लेकिन सभी भाग चुके थे। वहीं, मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

इंस्पेक्टर कमलेश सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। उपद्रवियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस्कॉन मंदिर के गेट पर करंट लगने से बेटे की मौत

यूनिक समय मथुरा। वृंदावन के इस्कॉन मंदिर के गेट पर लगे वाटर स्प्रे कूलर में आ रहे करंट से वहां चप्पल उतारते मध्य प्रदेश के एक युवक की मौत हो गई। बचाने के प्रयास में पिता को भी करंट लग गया। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया।

मध्य प्रदेश के छत्तरपुर के रहने वाले अनिल गुप्ता अपने पुत्र अभिज्ञान गुप्ता(21) के साथ वृंदावन में बांके बिहारी के दर्शन करने के लिए आए थे। बताया गया पिता-पुत्र इस्कॉन मंदिर के दर्शन करने के लिए गए थे। मंदिर के गेट के पास अभिज्ञान चप्पल उतार रहा था। वहां लगे वाटर स्प्रे कूलर में करंट आ रहा था। युवक ने जैसे ही चप्पल उतारी, वह कूलर के करंट की चपेट में आ गया। पिता अनिल गुप्ता को जब इस बात का पता लगा तो वह वह बेटे को बचाने के लिए दौड़ा। उसे भी बिजली का करंट लग गया। इस दृश्य को देख कर वहां हड़कंप मच गया। मौजूद लोगों ने कूलर में आ रहे करंट की चपेट में आए पिता–पुत्र को किसी

बचाने पहुंचे पिता को भी लगा करंट

पिता करता रहा बेटे को उठाने का प्रयास

तरह अलग किया और पुलिस को इस घटना के बारे में सूचना दी। पुलिस ने तुरंत दोनों को अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने अभिज्ञान गुप्ता को मृत घोषित कर दिया, जबकि पिता को उपचार दिया। पिता के होश में आने पर वह अस्पताल में टेबल पर पड़े बेटे के सीने को दबा–दबाकर उसे उठाने का यह कहकर प्रयास कर रहा था कि उठ जा बेटे तेरे पापा बुला रहे हैं। बेटे की मौत से बदहवास पिता की जो भी हालत देखता उसका दिल भी रोने लगता। लोग पिता को सांत्वना देते रहे कि अब बेटा नहीं उठेगा। पुलिस ने युवक के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

फर्जी कार चोरी का पुलिस ने किया खुलासा

बीमा राशि हड़पने को कार मालिक ने कराई थी फर्जी रिपोर्ट

यूनिक समय सुरीर, मथुरा। नौहझील पुलिस ने फर्जी कार चोरी दिखा कर बीमा कंपनी से क्लेम हड़पने का प्रयास किए जाने के मामले का पर्दाफाश करते हुए मालिक को कथित रुप से चोरी गई कार के साथ गौमत– नौहझील मार्ग से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को अब उसके अन्य साथियों की तलाश है।

पुलिस के अनुसार, सकतपुर निवासी संतोष कुमार ने इसी 10 जून को अपनी वैगनआर कार चोरी होने की रिपोर्ट थाना नौहझील में दर्ज कराई थी। पुलिस ने जब जांच की तो मामला कुछ और ही निकला। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज

पुलिस ने कड़ी मेहनत के बाद किया मालिक को गिरफ्तार

और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जब जांच को आगे बढ़ाया तो कथित कार चोरी की वारदात की परते खुलने लगी। जांच में यह भी सामने आया कि कार को स्वयं आरोपी और उसके साथियों द्वारा अलग–अलग स्थानों पर ले जाया गया। कार की नंबर प्लेट और पहचान संबंधी चिन्हों से भी छेड़छाड़ की गई। कार को ट्रांसपोर्ट नगर मथुरा स्थित एक दुकान पर खड़ा किए जाने की बात सामने आई। वहां कार चोरी की रिपोर्ट लिखाने वाला अपने सहयोगियों के साथ सीसीटीवी कैमरों में दिखाई दिया। पुलिस ने आज एक सूचना के आधार पर गोमत–नौहझील मार्ग पर प्रहलाद गढ़ी के पास से आरोपी संतोष कुमार (38 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से कथित चोरी हुई वैगनआर कार भी बरामद कर ली गई। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है। कार बरामद करने और अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली टीम में थानाध्यक्ष जगदम्बा सिंह, बाजना कट चौकी इंचार्ज हरेंद्र सिंह तोमर और पुलिस कर्मी हैं।

दहेज हत्या में अभियुक्त गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन पुलिस ने दहेज हत्या के मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त किशोरी कुंज पानी घाट निवासी देवा को दहेज के लिए महिला की हत्या करने के आरोप में किशोर कुंज पानी घाट से गिरफ्तार किया है।

कांग्रेस का दस्तावेज लेखकों की लड़ाई को समर्थन

दस्तावेज लेखकों के आंदोलन में मौजूद पूर्व विधायक प्रदीप माथुर आदि।

यूनिक समय, मथुरा। दस्तावेज लेखक निबंधन समिति के तत्वावधान में सरकार द्वारा प्रस्तावित ई–रजिस्ट्री प्रणाली के विरोध में चल रही हड़ताल आठवें दिन भी जारी है। कांग्रेस ने हड़ताल को समर्थन देते हुए लड़ाई को कंधे से कंधा मिलाकर लड़ने की ऐलान किया है।

सोमवार को जिला निबंधन कार्यालय के गेट के अंदर दस्तावेज लेखक निबंधन समिति द्वारा सरकार की ई–रजिस्ट्री प्रणाली के विरोध में हड़ताल कर रखी है। आज हड़ताल का समर्थन करने के लिए कांग्रेस के पूर्व विधायक प्रदीप माथुर पदाधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल पहुंचे। कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष यतेंद्र मुकद्दम ने दस्तावेज लेखकों की मांगो को जायज

कंधे से कंधा मिलाकर आगे तक लड़ने का दिया भरोसा

बताते हुए उनके साथ इस आंदोलन में कंधे से कंधा मिलाकर लड़ने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि सरकार की इस नीति से हजारों परिवारों के सामने रोजी- रोटी की समस्या पैदा हो जाएगी। सरकार की नीति है कि अपने लोगों को कैसे फायदा पहुंचाया जाए। भले ही इससे जनता के सामने संकट क्यों न पैदा हो जाए। प्रदीप माथुर ने सत्ता पक्ष के साथ दूसरी पार्टियों के लोगों का भी आह्वान करते हुए कहा कि सरकार की इस नीति से उनके सामने भी रोजी रोटी की समस्या पैदा हो जाएगी। इसके लिए सभी को साथ आना चाहिए।

महंगी हो गई खाद, कम इस्तेमाल करो किसान

खाद के दामों में बढ़ोत्तरी से किसानों की बढ़ गई है चिंता

एनपीके उर्वरक पर महंगाई, किसानों की जेब होगी हल्की

यूनिक समय, मथुरा। किसानों को भी महंगाई ने जोरदार झटका दिया है। मंहगे डीजल, बिजली और बीज की मार झेल रहे किसानों पर अब एनपीके उर्वरक महंगाई की मार पड़ी है। किसानों को अब एनपीके खाद खरीदने के लिए जेब से अधिक रकम भी खर्च करनी होगी। कई फसलों के लिए काम आने वाली इस खाद के लिए किसानों को दाम भी ज्यादा चुकाने होंगे। किसानों का कहना हैं कि खाद की बढ़ती कीमतों से उनकी खेती की लागत बढ़ जाएगी, मुनाफा नाममात्र का रह जाएगा।

फसलों के बेहतर विकास और अच्छी पैदावार के लिए नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम एनपीके उर्वरक की सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है। बोआई से लेकर फसल के बड़े होने तक विभिन्न चरणों में एनपीके खाद का भारी मात्रा में इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में दाम बढ़ने से सीधा असर किसानों की जेब और उनकी आर्थिक स्थिति पर पड़ने की पूरी संभावना है। गांव बिसू के किसान थान सिंह, रामहरी, ओमी आदि कहना है कि पहले से ही खेती में लागत लगातार बढ़ रही है, फसलों का उचित दाम मिलना मुश्किल हो रहा है। अब खाद के दामों में हुई बढ़ोत्तरी ने किसानों की कमर तोड़ दी है। खाद के बढ़े दामों के कारण किसानों को अब प्रति बोरी अधिक पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं, जिससे उनका जायद सीजन से जुड़ा बजट बिगड़ गया है। एनपीके 12:32:16 और 10:26:26 दोनों के दाम जनवरी–फरवरी के बाद1900 रुपये से बढ़कर 2450 रुपये हो गए हैं। एनपीके 20:20:0:13 का दाम 1400 रुपये से बढ़कर 2100 रुपये हो गया है। एनपीके 16:20:0:13 और 15:15:15 भी क्राशः 1400 रुपये और 1470 रुपये से बढ़कर 2000 रुपये पर पहुंच गए हैं। यूरिया एसएसपी का दाम भी 800 रुपये से बढ़कर 1000 रुपये हो गया है।

यह बढ़े एनपीके के दाम

उर्वरक का ग्रेड जनवरी—फरवरी के दाम वर्तमान के दाम

एनपीके 12 :32 :16	1900–2450
एनपीके 10 :26 :26	1900–2450
एनपीके 20 :20 :0 :13	1400–2100
एनपीके 16 :20 :0 :13	1400–2000
एनपीके 15 :15 :15	1470–2000
यूरिया एसएसपी	800–1000

अब जैविक खाद अपनाएं किसान

किसानों को अब उर्वरक खाद पर कम और जैविक खाद पर निर्भरता ज्यादा बढ़ानी चाहिए, जिससे मृदा शक्ति के साथ किसानों की आय में भी इजाफा होगा। अच्छा उत्पादन मिलने से किसान आर्थिक रूप से मजबूत होंगे।

आवेश कुमार, जिला कृषि अधिकारी

अंतर्जनपदीय कबड्डी कलेस्टर प्रतियोगिता

मथुरा पुलिस टीम ने जीती चल वैजंयती

अलीगढ़ में हुई आगरा जोन की प्रतियोगिताओं में चल वैजंयती और कबड्डी में प्रथम स्थान पाने वाली टीम का उत्साहवर्धन करते एसएसपी श्लोक कुमार ।

यूनिक समय मथुरा। पुलिस की तृतीय अंतर्जनपदीय कबड्डी कलस्टर प्रतियोगिता में मथुरा पुलिस टीम ने कबड्डी और जिमनास्टिक में प्रथम स्थान प्राप्त कर चल वैजयंती प्राप्त की। एसएसपी ने पुलिस कार्यालय पर टीम का उत्साहवर्धन किया।

आगरा जोन की अलीगढ़ जनपद में तृतीय अंतर्जनपदीय कबड्डी कलस्टर प्रतियोगिता में मथुरा पुलिस टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। मथुरा पुलिस की महिला टीम ने कबड्डी और जिमनास्टिक में प्रथम स्थान प्राप्त कर चल वैजंयती प्राप्त की। इसी तरह पुरुष वर्ग में आयोजित फैंसिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

महिला टीम कबड्डी और जिमनास्टिक में रही प्रथम

पुरुष टीम फैंसिग में प्रथम और कबड्डी में रही द्वितीय

इसके साथ ही कबड्डी में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

एसएसपी श्लोक कुमार ने पुलिस कार्यालय पर टीम की प्रशंसा करते हुए आगे और अच्छा प्रदर्शन करने का को प्रेरित किया।

परिक्रमा बनी जाम की वजह, अकुलाए श्रद्धालु

शहर के नए बस स्टैंड के सामने जाम में फंसे वाहन।

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार को परिक्रमार्थियों की वापसी जाम की वजह बन गई। वाहनों की रेलम– पेल होने से जाम में फंसे परिक्रमार्थी ऐसे हालातों से अकुलाते रहे। जाम के दौरान उमस भी परेशानी की वजह बनी। गोवर्धन चौराहा से लेकर शहर के कई स्थानों पर जाम के नजारे व्यवस्था पर प्रश्न लगाते रहे।

सुबह से ही गोवर्धन चौराहा समेत शहर के कई प्रमुख स्थान जाम में फंसे नजर आए। गोवर्धन चौराहा तो दोपहर तक जाम की वजह से जूझता रहा। उमस और गर्मी की वजह से जाम में फंसे श्रद्धालु ऐसे हालातों से परेशान होते रहे। यहां वाहनों के इधर– उधर से घुसने की वजह से जाम लगता रहा। निजी वाहन चालक भी इस जाम की वजह बनकर सामने आए। आज स्टेट बैंक चौराहा और वर्कशाप कट जाम से कम त्रस्त दिखे, जबकि नए बस स्टैंड के सामने सुबह से दोपहर तक कई बार जाम लगता रहा। नए बस स्टैंड के इस जाम से भी लोगों को परेशानी होती रही। यहां जाम की वजह रेलवे प्रशासन द्वारा पुल को संकुचित कर देना बताया जा रहा है। गोवर्धन चौराहे पर जाम तो तीन तरफ से लगता रहा, इसकी वजह भी चार पहिया वाहन और बाइक आदि बनते रहे। वृंदावन से शहर में आए वाहन भी जाम की वजह साबित हुए।

गोवर्धन से लौटते परिक्रमार्थी बन गए जाम का कारण

गोवर्धन चौराहा समेत कई स्थानों पर दिखे जाम के हालात

आरोपी की अग्रिम जमानत खारिज

यूनिक समय, मथुरा। जिला जज विकास कुमार की अदालत ने आत्महत्या के लिए प्रेरित करने के आरोपी की जमानत याचिका को खारिज कर दिया।

जिला शासकीय अधिवक्ता शिवराम सिंह तरकर ने बताया कि शहर कोतवाली क्षेत्र में 22 वर्षीय कुशाग्र पांडेय की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी।

मृतक के पिता ने आशुष सिंह राजपूत के खिलाफ बेटे को आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का आरोप लगाते हुए शहर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोपी आयुष सिंह राजपूत ने अग्रिम जमानत के लिए जिला जज विकास कुमार की अदालत में याचिका दाखिल की।

अदालत में डीजीसी ने जमानत याचिका का पुरजोर विरोध किया गया। अदालत ने आयुष सिंह राजपूत की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया है।

भगवान परशुराम का हुआ अभिषेक, लगे जयकारे

भगवान परशुराम की पूजा करते विप्र समाज के बंधु।

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार को गोविंद नगर स्थित मंदिर में भगवान परशुराम का अभिषेक - पूजन किया गया। विप्र बंधुओं ने वातावरण को भगवान परशुराम के जयकारों से गूंजायमान कर दिया।

सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान ने पुरुषोत्तम मास में समस्त देवी-देवताओं का पूजन किया है। इसी क्रम में आज भगवान परशुराम का गोविंद नगर स्थित टूटी टंकी के पास निर्मित मंदिर में 51 किलो दूध, दही, शहद, बूरा, घृत और सुगंध- इत्र से मंत्रोच्चारण के बीच अभिषेक किया और पोशाक धारण कराई। सभी विप्रो द्वारा माल्यार्पण किया गया। पप्पू गौतम ने सभी विप्रों का पटका पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर संस्थान अध्यक्ष सोहनलाल शर्मा ने सभी विप्रों से एकता का संदेश देते हुए कहा कि सनातन धर्म- हिंदू संस्कृति को जीवित रखना है तो अपने परिजनों सहित धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेकर एकता का परिचय दें। इस अवसर पर विप्रों ने देशवासियों की दीर्घायु की कामना के लिए101 दीपक भी प्रज्जवलित किए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नारायण प्रसाद शर्मा, राकेश गौड़, पंकज शर्मा, महेंद्र दत्त आचार्य, दिवाकर आचार्य, सुरेंद्र मुकुट वाले, नारायण प्रसाद शर्मा, पप्पू गौतम, मुकुट मनी शर्मा, इंजीनियर जयप्रकाश मैथिल, दिनेश मैथिल, विवेक उपाध्याय सहित सैकड़ों विप्र जन उपस्थित रहे।

पशुपालन विभाग को मिला है योजना का लक्ष्य

खरीदिए उन्नत नस्ल की गाय, सरकार देगी अनुदान

यूनिक समय, मथुरा। दूध की क्षमता बढ़ाने और स्वदेशी गायों को बढ़ावा देने के लिए सरकार उन्नत नस्ल की गायों को बढ़ावा दे रही है। अब दो उन्नत नस्ल की गाय खरीदने पर 80 हजार रुपये का अनुदान मिलेगा। प्रदेश सरकार ने गोपालकों के हित में एक पहल शुरू की है।

नंद बाबा दुग्ध मिशन में संचालित मुख्यमंत्री स्वदेशी गो–संवर्धन योजना में दो उन्नत नस्ल की गाय खरीदने पर पात्र लाभार्थियों को अधिकतम 80 हजार रुपये तक का अनुदान मिलेगा। इसके लिए पहली प्राथमिकता महिलाओं को दी जाएगी।

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र नारायण शुक्ला ने बताया कि योजना में बाहरी राज्यों से गिर, साहीवाल, थारपारकर और हरियाणा नस्ल की स्वदेशी उन्नत गायों की खरीद पर अनुदान दिया जाएगा। लाभार्थी को दो गायों की इकाई स्थापित करनी होगी। इकाई की कुल लागत का 40 प्रतिशत, अधिकतम 80 हजार रुपये तक अनुदान के रूप में प्रदान किया जाएगा।

योजना में महिला गोपालकों और दुग्ध उत्पादकों को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। निर्धारित लक्ष्य का 50 प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षित रखा गया है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तीकरण को भी बढ़ावा मिलेगा। सीवीओ ने बताया कि खरीदी जाने वाली गाय प्रथम या द्वितीय ब्यांत की होनी चाहिए। इसके लिए 10 जुलाई तक आनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक गोपालक नंद बाबा दुग्ध मिशन के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने ग्रामीण युवाओं, पशुपालकों और दुग्ध उत्पादकों से योजना का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की है।

10 जुलाई तक कर सकते हैं गोपालक आवेदन

सम्मेलन में दंत विशेषज्ञों ने छात्र–छात्राओं का बढ़ाया कौशल

केडी डेंटल कॉलेज में तीसरे राष्ट्रीय आईपीएस अंडरग्रेजुएट सम्मेलन का समापन

पोस्टर और पेपर प्रजेंटेशन के माध्यम से साझा किए अपने अनुभव

प्रो.चांसलर मनोज अग्रवाल ने किया अतिथियों का स्वागत

तीसरे राष्ट्रीय आईपीएस अंडरग्रेजुएट सम्मेलन में पधारे अतिथियों के साथ केडी विश्वविद्यालय के प्रो.चांसलर मनोज अग्रवाल, दूसरे चित्र में मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. महेश वर्मा का स्वागत करते हुए केडी विश्वविद्यालय के प्रो.चांसलर मनोज अग्रवाल।

यूनिक समय, मथुरा। दंत चिकित्सा के क्षेत्र में छात्र–छात्राओं का कौशल बढ़ाने, वैज्ञानिक दृष्टिकोण में इजाफा करने के लिए केडी डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में तीसरे राष्ट्रीय आईपीएस अंडरग्रेजुएट सम्मेलन का आयोजन हुआ। भारतीय प्रोस्थोडॉन्टिक सोसाइटी द्वारा आयोजित सम्मेलन में देशभर के रिकॉर्ड 21 वक्ताओं ने विभिन्न वैज्ञानिक सत्रों के दौरान छात्र–छात्राओं को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में हो रहे परिवर्तनों की जानकारी दी। सम्मेलन में छह सौ से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि पद्मश्री- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय नई दिल्ली के कुलपति डॉ. महेश वर्मा, विशिष्ट अतिथि डॉ. हिमांशु ऐरन, केडी विश्वविद्यालय के प्रो. चांसलर मनोज अग्रवाल, सम्मेलन के आयोजन चेयरमैन और कुलपति केडी विश्वविद्यालय डॉ. मनेष लाहौरी, सचिव डॉ. अभिषेक शर्मा, कोषाध्यक्ष डॉ. सिद्धार्थ सिसोदिया, साइंटिफिक चेयरपर्सन डॉ. अभिनव अग्रवाल और केडी डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की प्राचार्य डॉ. नवप्रीत कौर आदि ने मां सरस्वती वंदना और राष्ट्रगान के साथ किया। केडी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने राष्ट्रीय सम्मेलन की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे सम्मेलनों की मेजबानी करना केडी डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के लिए गौरव की बात है। यह सम्मेलन दंत चिकित्सा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। प्रो–चांसलर मनोज अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्र–छात्राओं को देशभर के प्रतिष्ठित दंत चिकित्सकों से सीधे सीखने, अपने विचार साझा करने का शानदार अवसर मिलता है। सम्मेलन के आयोजन चेयरमैन- कुलपति केडी विश्वविद्यालय डॉ. मनेष लाहौरी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए उनका परिचय दिया।

राष्ट्रीय आईपीएस अंडरग्रेजुएट सम्मेलन के पहले दिन विभिन्न वैज्ञानिक सत्रों के दौरान उपस्थित अतिथियों और वक्ताओं ने छात्र–छात्राओं के विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण बातें कहीं। मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. महेश वर्मा ने अंडरग्रेजुएट छात्र–छात्राओं को दंत चिकित्सा (प्रोस्थोडॉन्टिक्स) के क्षेत्र में रिसर्च और वैज्ञानिक पेपर प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे सम्मेलनों से छात्र–छात्राओं का आत्मविश्वास बढ़ता है, वे भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार होते हैं।

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में 51 पोस्टर, 28 पेपर, 21 रील्स प्रस्तुत किए गए। क्विज प्रतियोगिता हुई में 22 छात्र–छात्राओं ने हिस्सा लिया। छात्र–छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्र म पेश किए। तीन टीमों ने सोलो डांस से अतिथियों का मनोरंजन किया। देशभर के प्रतिष्ठित दंत चिकित्सकों डॉ. हिमांशु ऐरन, डॉ. शिल्पा शेट्टी, डॉ. जंगला हरी, डॉ. यूवी गांधी, डॉ, मनीष कात्यायन, प्रो. (डॉ.) नीता पासरीचा, डॉ. भूपेन्द्र यादव, डॉ. सरमजीत सिंह भसीन, डॉ. रेखा गुप्ता, डॉ. पराग दुआ, डॉ. रतनदीप सिंह आहूजा, डॉ. रविन्द्र सिंह, डॉ. गुनीक बंसल, डॉ. पंकज धवन, डॉ. रेशू सनन, डॉ. शबीना सचदेवा, डॉ. इरम परवेज, डॉ. रिजवाना मलिक, डॉ. वरुण कुमार, डॉ. ज्योत्सना सेठ, डॉ. सुकृति सक्सेना आदि ने अपने अनुभव साझा किए।

सम्मेलन समापन पर डॉ. वी. आनंद कुमार, डॉ. दर्शना शाह, डॉ. शिल्पा आर. शेट्टी, डॉ. जंगला हरी, डॉ. जिंग्ना शाह, डॉ. परमजीत सिंह बांगा, डॉ. संकेत कुमार रेड्डी, डॉ. पी. सेशा रेड्डी, डॉ. मनीष कात्यायन ने पोस्टर और पेपर प्रजेंटेशन करने वाले दंत चिकित्सकों को प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया। सम्मेलन में हैंड्स–ऑन वर्कशॉप में कुल 395 लोगों ने प्रैक्टिकल अनुभव लिया। प्राचार्य डॉ. नवप्रीत कौर ने सम्मेलन की सफलता में सहयोग के लिए केडी डेंटल कॉलेज के विभागाध्यक्षों डॉ. अजय नागपाल, डॉ. शैलेन्द्र सिंह चौहान, डॉ. सिद्धार्थ सिंह सिसोदिया, डॉ. सोनल, डॉ. विनय मोहन, डॉ. अभिषेक, डॉ. अनुज गौर, डॉ. राजीव, डॉ. प्रेरणा, डॉ. नेहा, डॉ. अनुश्री, प्रशासनिक अधिकारी नीरज छापड़िया आदि का आभार जताया।

युवाओं ने किया रक्तदान

शिविर में रक्तदान करते युवा।

यूनिक समय, मथुरा। विश्व रक्तदाता दिवस पर टीम संजीवनी ने सद्भावना ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। उद्घाटन टीम संजीवनी के संस्थापक रंजय दीक्षित ने किया।

सदभावना ब्लड बैंक के डायरेक्टर ने सभी रक्त वीरों को प्रमाण पत्र- स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। शविर में ललित, दुर्गेश, रंजय दीक्षित, जितेंद्र, मनोज, शिवकुमार, अंकुर, मृदुल, प्रदीप, पोरस, त्रिवेंद्र, वंदना, देवेंद्र आदि ने रक्तदान किया। ब्लड बैंक की टीम में तरुण, सुशील, राजू, राहुल, नीरज, सत्य प्रकाश, नितिन, पूजा आदि का सहयोग रहा।

विभिन्न धार्मिक मनोरथों संग हुआ सेवा सत्र का समापन

प्राचीन श्रीहरिदासपीठ मंदिर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पूर्णाहुति देते सेवायत आदि।

यूनिक समय, वृंदावन। श्रीहरिदासबिहारी फाउंडेशन भारत ट्रस्ट के तत्वावधान में 17 मई से प्राचीन श्रीहरिदासपीठ मंदिर में पुरुषोत्तम मास में लगातार चलाए जा रहे प्रभु – भक्त सेवासत्र का समापन सोमवार को विभिन्न धार्मिक मनोरथों संग हुआ।

ट्रस्ट संस्थापक इतिहासकार आचार्य प्रहलाद बल्लभ गोस्वामी के सानिध्य में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर विजयलक्ष्मी गोस्वामी, निवेदिता, प्रवर्तिका और लक्ष्मण सिंह आदि उपस्थित रहे। संस्था के महासचिव रविंद्र तंवर ने आभार जताया।

सिर्फ एक छेद से हुई सफल स्पाइन सर्जरी

मरीज के साथ आकाश सिम्स हास्पिटल के चिकित्सक आदि।

यूनिक समय, मथुरा। मरीज तपनदास कई सालों से रीढ़ की हड्डी के दर्द से बेहाल थे। पैरों में दर्द आने की गंभीर समस्या उनको परेशान कर रही थी। हड्डी और पैरों के दर्द की वजह से वह चलने– फिरने, काम करने में असमर्थ हो गए । आकाश सिम्स हॉस्पिटल के मिनीमली इंवेसिव न्यूरोसर्जन- स्पाइन सर्जन डॉ. एसके गुप्ता और उनकी अनुभवी टीम ने अथक परिश्रम द्वारा दूरबीन विधि से बीमारी का सफल ऑपरेशन किया। ऑपरेशन के 15 घंटे बाद तपनदास अपने पैरों पर खड़े होकर चलने लगे। आकाश सिम्स हॉस्पिटल के मिनिमली इंवेसिव न्यूरोसर्जन डॉ. एसके गुप्ता ने कहा कि मरीज तपनदास को कमर में अत्यधिक दर्द रहता था, जो बायें पैर में आता था।

इतना ज्यादा दर्द था कि ये चल नहीं पाते थे। जरूरी जांचों से ज्ञात हुआ कि एल4, एल5 डिस्क प्रोलेप्स है, जो रीढ़ की नस को दबा रहा है। इस पर मरीज का एंडो पोर्टल माइक्रो डिसेक्टमी किया, दूरबीन से सर्जरी की है। रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन के 15 घंटे बाद मरीज तपनदास अपने पैरों पर खड़े होकर चलने लगे और अब ये पूरी तरह से स्वस्थ हैं। मरीज तपनदास ने पांच साल पहले भी स्पाइन का कहीं बाहर ऑपरेशन कराया था, कोई सुधार नहीं हुआ और समस्या बनी रही। आकाश सिम्स हॉस्पिटल में होने वाली यह एडवांस्ड मिनिमली इंवेसिव स्पाइन सर्जरी है, जिसे की–होल स्पाइन सर्जरी बोलते हैं।

आकाश सिम्स हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. गौरव भारद्वाज ने कहा कि आकाश सिम्स हॉस्पिटल क्षेत्र का एकमात्र स्ट्रोक रेडी हॉस्पिटल है जहां एक ही छत के नीचे अनुभवी चिकित्सकों के साथ एडवांस्ड कैथलेब, एमआरआई, सीटी. स्कैन, मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर, अत्याधुनिक माइक्रोस्कोप और 24 घंटे आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध है। मस्तिष्क- रीढ़ की हड्डी से जुड़ी सभी बीमारियों का विश्वस्तरीय इलाज सिम्स हॉस्पिटल में उपलब्ध है।

होटल–रेस्टोरेंट उद्योग की बैठक में विभागीय समस्याओं पर चिंतन

लाइसेंस नवीनीकरण प्रक्रिया आसान करने पर जोर

दीप जलाकर होटल–रेस्टोरेंट उद्योग की बैठक का शुभारंभ करते अतिथि।

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार को हुई होटल–रेस्टोरेंट उद्योग की बैठक में विभागीय समस्याओं पर चिंतन हुआ, जबकि लाइसेंस नवीनीकरण प्रक्रिया का सरलीकरण करने और सिंगल विंडो सिस्टम लागू करने की बात उठाई गई।

मथुरा- वृंदावन होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन की बैठक का शुभारंभ राधा-कृष्ण के चित्रपट के समक्ष दीप प्रज्वलित करने के साथ हुआ। एसोसिएशन के संरक्षक केडी अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में 50 से अधिक होटल- रेस्टोरेंट संचालकों ने भाग लिया, जिसमें श्रावण मास, जन्माष्टमी और मुड़िया पूर्णिमा मेला के दृष्टिगत पर्यटकों को बेहतर सुविधा देने और विभागीय समस्याओं के समाधान पर विमर्श हुआ।

एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अमित जैन ने बताया कि होटल उद्योग ब्रज की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, तीर्थ यात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाएं देकर मथुरा-वृंदावन का गौरव बढ़ाएंगे। इस दौरान मथुरा- वृंदावन नगर निगम द्वारा होटल–रेस्टोरेंट क्षेत्रों में नियमित सफाई, कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था तय करने व्यापारिक जल–कर और गृह–कर की दरों में एकरूपता लाने, मनमाने तरीके से बढ़ाए गए टैक्स को वापस लेने और लाइसेंस नवीनीकरण प्रक्रिया का सरलीकरण, सिंगल विंडो सिस्टम लागू करने की मांग दोहराई गई। संरक्षक केडी अग्रवाल ने उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के जल- वायु प्रदूषण संबंधी प्रक्रिया को सरल करने की बात रखी। सचिव आरबी चौधरी ने होटल उद्योग को औद्योगिक दर पर बिजली उपलब्ध कराने की बात कही। संयुक्त सचिव ठा. राजा भोज ने कहा कि अग्निशमन विभाग की फायर की प्रक्रिया समयबद्ध- पारदर्शी हो। कोषाध्यक्ष संजीव अग्रवाल ने फूड लाइसेंस प्रक्रिया के सरलीकरण की बात रखी। बैठक में राजन अग्रवाल, विजय चतुर्वेदी,सौरभ चौधरी और योगेंद्र शर्मा ने भी सुझाव दिए।

सभी सदस्यों को सदस्यता प्रमाण पत्र वितरित करते हुए उपाध्यक्ष अमित जैन ने सभी का धन्यवाद किया गया। बैठक में दाऊदयाल अग्रवाल, गुरमुख राय, परमिंदर कुमार, सतीश चतुर्वेदी, अजय मित्तल, ध्रुव अग्रवाल, केपी सिंह, सुधीर चतुर्वेदी, मनीष गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

किडनी मरीजों के लिए खतरा बन सकता गोंद कतीरा

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों का मौसम शुरू होते ही गोंद कतीरा का सेवन बढ़ जाता है। अपनी ठंडी तासीर और शरीर को हाइड्रेट रखने वाले गुणों के कारण इसे गर्मी से राहत दिलाने वाला एक बेहतरीन प्राकृतिक खाद्य पदार्थ माना जाता है।

कई लोग इसे पानी में भिगोकर शरबत के रूप में पीते हैं, जबकि कुछ लोग दूध में मिलाकर इसका सेवन करते हैं। माना जाता है कि यह शरीर को ठंडक पहुंचाने, थकान दूर करने और गर्मी के कारण होने वाली कमजोरी से बचाने में मदद करता है। लेकिन क्या गोंद कतीरा हर व्यक्ति के लिए सुरक्षित है? खासकर किडनी

गर्मियों में खूब खाया जाता है गोंद

रोगियों के लिए यह सवाल बेहद महत्वपूर्ण है। कर्मा आयुर्वेदा के डायरेक्टर और किडनी विशेषज्ञ डॉ. पुनीत धवन के अनुसार, गोंद कतीरा भले ही सामान्य लोगों के लिए लाभकारी हो,

लेकिन किडनी से संबंधित बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को इसका सेवन सावधानी के साथ करना चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है कि किडनी रोगियों के लिए बिना डॉक्टर की सलाह के गोंद कतीरा खाना उचित नहीं है। दरअसल, गोंद कतीरा पानी सोखकर फूल जाता है और जेल जैसी संरचना बना लेता है। इसका असर शरीर के इलेक्ट्रोलाइट संतुलन और पाचन तंत्र पर पड़ सकता है, जो किडनी की कार्यप्रणाली को प्रभावित कर सकता है। विशेष रूप से किडनी स्टोन, क्रॉनिक किडनी डिजीज, किडनी फेलियर या डायबिटीज से पीड़ित लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। ऐसे मरीजों के लिए खानपान में किसी भी बदलाव से पहले डॉक्टर या विशेषज्ञ की सलाह लेना जरूरी होता है।

गलत तरीके से या अधिक मात्रा में सेवन करने पर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। किडनी को स्वस्थ रखने के लिए संतुलित जीवनशैली अपनाना बेहद जरूरी है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना, ताजे फल और हरी सब्जियां खाना, नमक और चीनी का सीमित सेवन करना तथा नियमित व्यायाम करना किडनी की सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसके अलावा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करवाना भी जरूरी है।

गोंद कतीरा कई गुणों से भरपूर है, लेकिन हर व्यक्ति की स्वास्थ्य स्थिति अलग होती है। इसलिए यदि आप किडनी से जुड़ी किसी समस्या से पीड़ित हैं, तो इसका सेवन शुरू करने से पहले विशेषज्ञ की सलाह अवश्य लें। सही जानकारी और सावधानी ही बेहतर स्वास्थ्य की कुंजी है।

मोबाइल के बढ़ते इस्तेमाल से घट रही बातचीत

इमोजी ने छीने अल्फाज बढ़ रही खामोशी की दीवार

यूनिक समय, नई दिल्ली। डिजिटल युग में मोबाइल फोन ने जिंदगी को आसान जरूर बनाया है, लेकिन इसके साथ एक नई चुनौती भी सामने आई है। अब लोग अपनी भावनाओं और विचारों को शब्दों की बजाय इमोजी के जरिए व्यक्त करने लगे हैं। एक हालिया रिसर्च के अनुसार, लोगों द्वारा रोज बोले जाने वाले शब्दों में करीब 28 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2005 में जहां एक व्यक्ति प्रतिदिन औसतन 17 हजार शब्द बोलता था, वहीं अब यह संख्या घटकर करीब 12 हजार रह गई है। यानी हर साल लाखों शब्द हमारी रोजमर्रा की बातचीत से गायब हो रहे हैं। स्थिति यह है कि परिवार के सदस्य एक साथ बैठने के बावजूद मोबाइल स्क्रीन में व्यस्त रहते हैं। घर, ऑफिस, कैफेटेरिया और सार्वजनिक स्थानों पर आमने-सामने बातचीत की जगह चैट और इमोजी ने ले ली है।

इससे रिश्तों में भावनात्मक दूरी बढ़ती जा रही है और संवाद की गर्माहट कम हो रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि पहले छोटी-छोटी बातचीत सामाजिक जुड़ाव को मजबूत बनाती थी। पड़ोसियों से हालचाल पूछना,दोस्तों से चर्चा करना और परिवार के साथ समय बिताना जीवन का अहम हिस्सा था। लेकिन तकनीक पर बढ़ती निर्भरता ने इन आदतों को कमजोर कर दिया है। कम बातचीत का असर केवल रिश्तों तक सीमित नहीं है। यह मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकता है। अकेलापन, चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

वहीं लगातार स्क्रीन देखने से आंखों में तनाव, सिरदर्द, माइग्रेन और गर्दन संबंधी परेशानियां भी बढ़ रही हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि परिवार के साथ समय बिताते समय मोबाइल फोन को दूर रखें और चैट की बजाय आमने-सामने बातचीत को प्राथमिकता दें। क्योंकि शब्द केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि रिश्तों को मजबूत बनाने और भावनाओं को सही ढंग से व्यक्त करने का सबसे प्रभावी जरिया भी हैं।

बच्चों को मजबूत बनाएं,रखें सतर्क

यूनिक समय, नई दिल्ली। 9 से 12 साल की उम्र में बच्चे धीरे-धीरे आत्मनिर्भर बनने लगते हैं। इस दौरान वे दोस्तों के घर खेलने, ग्रुप स्टडी करने और अन्य गतिविधियों में हिस्सा लेते हैं। ऐसे में माता-पिता की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि वे बच्चों को सुरक्षा से जुड़े जरूरी नियम सिखाएं। सही मार्गदर्शन बच्चों को न केवल सुरक्षित रखता है, बल्कि उनमें आत्मविश्वास भी बढ़ाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, बच्चों को यह समझाना बेहद जरूरी है कि यदि कोई व्यक्ति उन्हें असहज महसूस कराए, गलत व्यवहार करे या ऐसी कोई बात कहे जिससे उन्हें डर या परेशानी हो, तो वे तुरंत अपने माता-पिता को इसकी जानकारी दें। बच्चों को यह भी सिखाना चाहिए कि अगर कोई उनसे किसी बात को घरवालों से छिपाने के लिए कहे, तो उसे तुरंत साझा करें। गुड टच और बैड टच की जानकारी हर बच्चे को होनी चाहिए। उन्हें यह समझाना जरूरी है कि उनके शरीर पर उनका पूरा अधिकार है और किसी भी गलत स्पर्श का विरोध करना चाहिए। साथ ही, यदि कोई वीडियो, मजाक या बातचीत उन्हें असहज लगे, तो बिना झिझक इसकी जानकारी माता-पिता को दें। इसके अलावा, यदि दोस्त के घर से कहीं और जाने की योजना बने, तो पहले माता-पिता की अनुमति लेना जरूरी है। बच्चों को यह भरोसा भी दिलाना चाहिए कि वे किसी भी डर, परेशानी या असहज स्थिति के बारे में खुलकर बात कर सकते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि ऐसी छोटी-छोटी लेकिन महत्वपूर्ण सीख बच्चों को सुरक्षित, जागरूक और जिम्मेदार बनाती हैं। बच्चों को आजादी देना जरूरी है, लेकिन उनकी सुरक्षा और समझदारी सुनिश्चित करना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। सही शिक्षा और खुला संवाद ही बच्चों को बाहरी दुनिया के लिए बेहतर तरीके से तैयार कर सकता है।

बचे हुए चावल से बनाएं स्वादिष्ट गुड़ की खीर

यूनिक समय, नई दिल्ली। रात के खाने के बाद अक्सर घरों में चावल बच जाते हैं। ऐसे में ज्यादातर लोग समझ नहीं पाते कि इन बचे हुए चावलों का क्या किया जाए।

अगर आपके घर में भी रात के चावल बच गए हैं, तो उन्हें फेंकने की बजाय स्वादिष्ट गुड़ की खीर बनाकर इस्तेमाल किया जा सकता है। यह खीर न केवल स्वाद में लाजवाब होती है, बल्कि बच्चों और बड़ों सभी को बेहद पसंद आती है। खास बात यह है कि इसमें चीनी की जगह गुड़ का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे इसका स्वाद और भी खास हो जाता है। गुड़ की खीर बनाने के लिए सबसे पहले दो कटोरी बचे हुए पके चावल लें। यदि चावल थोड़े सख्त लग रहे हों, तो उन्हें थोड़ा गर्म पानी डालकर नरम कर लें। दूसरी ओर एक कड़ाही में दूध गर्म करें और उसे लगातार चलाते हुए थोड़ा गाढ़ा होने दें। जब दूध अच्छी तरह पक जाए, तब चावलों को हल्का मैश करके उसमें मिला दें। इसके बाद दूध और चावल को अच्छी तरह पकाएं ताकि दोनों आपस में घुल-मिल जाएं। अब इसमें गुड़ का पाउडर या टूटा हुआ गुड़ डालें। ध्यान रखें कि गुड़ मिलाते समय गैस धीमी कर दें या कुछ देर के लिए बंद कर दें, क्योंकि उबलते दूध में गुड़ डालने से खीर फट सकती है। जब गुड़ पूरी तरह घुल जाए, तब खीर को थोड़ी देर और पकाएं। खीर तैयार होने के बाद इसमें अपनी पसंद के मेवे जैसे बादाम, काजू और पिस्ता डाल सकते हैं। इसके बाद खीर को ठंडा होने दें और कुछ समय के लिए फ्रिज में रख दें। ठंडी होने पर इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है। अगर आप भी बचे हुए चावल का स्वादिष्ट और आसान उपयोग करना चाहते हैं, तो गुड़ की खीर की यह रेसिपी जरूर ट्राई करें। इसका स्वाद ऐसा होगा कि हर कोई उंगलियां चाटता रह जाएगा।

अच्छी नींद के साथ मिलते हैं कई स्वास्थ्य लाभ

जल्दी सोने-उठने से बदल सकती है जिंदगी

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में देर रात तक जागना और सुबह देर से उठना आम बात हो गई है। मोबाइल, लैपटॉप और व्यस्त दिनचर्या के कारण लोगों की नींद का समय लगातार प्रभावित हो रहा है। हालांकि, आयुर्वेद और स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि स्वस्थ और निरोगी जीवन के लिए रात में जल्दी सोना और सुबह जल्दी उठना बेहद जरूरी है। यह आदत न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है, बल्कि मानसिक और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में भी मदद करती है। विशेषज्ञों के अनुसार, जब व्यक्ति समय पर सोता है और पर्याप्त गहरी नींद लेता है, तो शरीर को खुद को रिपेयर करने का अवसर मिलता है। इससे शरीर में ऊर्जा का स्तर बढ़ता है और दिनभर ताजगी बनी रहती है। जो लोग जल्दी उठते हैं, वे आमतौर पर अधिक

सक्रिय, उत्साही और सकारात्मक सोच वाले होते हैं। सुबह का समय शांत और स्वच्छ वातावरण से भरपूर होता है, जिससे मन को सुकून मिलता है। सुबह जल्दी उठने का एक बड़ा फायदा यह भी है कि व्यक्ति को ताजी हवा और सूरज की पहली किरणों का लाभ मिलता है। सुबह की सैर, योग और व्यायाम शरीर को फिट रखने के साथ-साथ मानसिक तनाव को भी कम करते हैं। सूरज की हल्की धूप शरीर में विटामिन-डी के निर्माण में मदद करती है, जो हड्डियों और प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए आवश्यक है। इसके अलावा, जल्दी सोने और उठने की आदत दिमाग की कार्यक्षमता को भी बेहतर बनाती है। इससे एकाग्रता, याददाश्त और निर्णय लेने की क्षमता मजबूत होती है। ऐसे लोग अपने काम

समय पर सोने वालों को मिलते हैं ये बड़े फायदे

समय पर पूरा कर पाते हैं और तनाव से भी दूर रहते हैं। नियमित दिनचर्या के कारण उनका मन अधिक शांत और स्थिर रहता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि सुबह जल्दी उठने से रात में समय पर नींद आने लगती है, जिससे स्लीप क्वालिटी में सुधार होता है। गहरी और शांतिपूर्ण नींद शरीर और दिमाग दोनों को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यदि आप भी बेहतर स्वास्थ्य, मानसिक शांति और अधिक ऊर्जा चाहते हैं, तो आज से ही जल्दी सोने और सुबह जल्दी उठने की आदं अपनाएं। यह छोटी-सी आदत आपकी पूरी जीवनशैली को सकारात्मक रूप से बदल सकती है।

मखाने में छिपा सेहत का खजाना

यूनिक समय, नई दिल्ली। मखाना आज के समय में सबसे लोकप्रिय हेल्दी स्नैक्स में से एक बन चुका है। छोटे-छोटे सफेद दानों वाला यह सुपरफूड स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पोषक तत्वों से भी भरपूर होता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ नियमित रूप से मखाना खाने की सलाह देते हैं। यह शरीर को ऊर्जा देने के साथ कई स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करता है। डाइटिशियन स्वाति सिंह के अनुसार, 100 ग्राम मखाने में करीब 9.7 ग्राम प्रोटीन, 76.9 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, 14.5 ग्राम फाइबर, 60 मिलीग्राम कैल्शियम, 67 मिलीग्राम मैग्नीशियम, 500 मिलीग्राम पोटैशियम और 188 मिलीग्राम फॉस्फोरस पाया जाता है। इसके अलावा इसमें लगभग 350 कैलोरी ऊर्जा भी होती है, जो शरीर को दिनभर सक्रिय बनाए रखने में मदद करती है। मखाने की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें वसा यानी फैट की मात्रा बहुत कम होती है। वहीं फाइबर और प्रोटीन की अच्छी मात्रा इसे एक बेहतरीन स्नैक बनाती है। इसे खाने से लंबे समय तक पेट भरा रहता है, जिससे बार-बार भूख नहीं लगती और वजन नियंत्रित रखने में मदद मिलती है। मखाना हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत बनाने में भी सहायक है। इसमें मौजूद कैल्शियम, प्रोटीन और जरूरी अमीनो एसिड शरीर को मजबूती प्रदान करते हैं। इसके अलावा मखाने में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट और फ्लेवोनोइड्स सूजन को कम करने और शरीर को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाने में मदद करते हैं। डायबिटीज के मरीजों के लिए भी मखाना फायदेमंद माना जाता है क्योंकि यह ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ने नहीं देता। साथ ही यह हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने, अच्छी नींद लाने और शरीर की ऊर्जा बनाए रखने में भी मददगार साबित हो सकता है। यही वजह है कि मखाने को सेहत और पोषण का खजाना कहा जाता है।

सुविचार

हर दिन एक नई किताब है, इसे मुस्कुराकर पढ़िए।

कल का पंचांग

तिथि	अमावस्या 12:20-08:23 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	मृगशीर्षा 10:13-07:08 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय	5:28 AM	चन्द्रोदय	05:06 AM
सूर्यास्त	7:11 PM	चंद्रास्त	07:53 PM
सूर्य राशि	मिथुन राशि	चंद्र	मिथुन राशि
शुभ मुहूर्त	11:50AM -12:45 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:51-04:39
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	07:11 AM: 08:53 AM	वार	मंगलवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: कार्यस्थल पर नई जिम्मेदारी मिलेगी। आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार का सहयोग मिलेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखना आवश्यक रहेगा।

वृषभ: रुके हुए कार्य पूरे होंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। मित्रों से लाभ मिलेगा। सेहत के प्रति सजग रहें।

मिथुन: करियर में उन्नति के संकेत हैं। नए संपर्क लाभ देंगे। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। यात्रा संभव है।

कर्क: पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा। निवेश से लाभ मिल सकता है। भावनाओं में बहकर निर्णय लेने से बचें।

सिंह: मान–सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। व्यापार में लाभ होगा। किसी शुभ समाचार से प्रसन्नता मिलेगी।

कन्या: कार्यभार बढ़ सकता है। धैर्य और संयम बनाए रखें। आर्थिक मामलों में सोच–समझकर निर्णय लेना बेहतर रहेगा।

तुला: भाग्य का साथ मिलेगा। नए अवसर प्राप्त होंगे। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा। आय में वृद्धि संभव है।

वृश्चिक: महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। विरोधी शांत रहेंगे। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। परिवार के साथ समय बिताएं।

धनु: नई योजनाएं लाभ देंगी। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। विद्यार्थियों को अच्छे परिणाम मिलने के योग हैं।

मकर : कार्यस्थल पर मेहनत रंग लाएगी। वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी।

कुंभ: रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। मित्रों से सहयोग मिलेगा। निवेश के लिए समय अनुकूल माना जाएगा।

मीन: आत्मविश्वास बढ़ेगा। रुके धन की प्राप्ति संभव है। परिवार में खुशियां आएंगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

हवन में भूल गए यह नियम तो घट सकता है पुण्य

सही दिशा में करें हवन विधि अनुसार दें हर आहुति

यूनिक समय, मथुरा। घर में कोई शुभ कार्य, त्योहार, गृह प्रवेश या पारिवारिक मंगल अवसर हो तो हवन का विशेष महत्व माना जाता है। सनातन परंपरा में हवन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि वातावरण की शुद्धि, मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा के संचार का माध्यम भी माना गया है। हालांकि, धार्मिक मान्यताओं के अनुसार हवन करते समय विधि–विधान और नियमों का पालन करना आवश्यक है, अन्यथा इसका पूर्ण लाभ नहीं मिल पाता।

हवन शुरू करने से पहले स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करने चाहिए और पूजा स्थल को अच्छी तरह साफ करना चाहिए। वास्तु मान्यताओं के अनुसार घर के ईशान कोण यानी उत्तर–पूर्व दिशा में हवन करना शुभ माना जाता है। हवन करते समय पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके बैठना बेहतर माना गया है।

हवन के लिए मिट्टी या तांबे का हवन कुंड, आम की लकड़ी, समिधा, जौ, तिल, अक्षत, शुद्ध घी, गुड़, मिश्री, बताशे, कपूर, सूखा नारियल, शहद, फूल, कलावा, दीपक, बाती और शुद्ध जल की आवश्यकता होती है। आजकल बाजार में तैयार हवन सामग्री भी आसानी से उपलब्ध है।

हवन की शुरुआत भगवान गणेश के स्मरण और कलश स्थापना से की जाती है। कलश में जल भरकर आम या अशोक के पत्ते तथा नारियल स्थापित किया जाता है। इसके बाद हवन कुंड में आम की लकड़ी और समिधा रखकर कपूर या घी की सहायता से अग्नि प्रज्वलित की जाती है। अग्निदेव का ध्यान करने के बाद आहुति देने की प्रक्रिया शुरू होती है।

धार्मिक परंपरा के अनुसार सबसे पहले भगवान गणेश, नवग्रह, पंचदेव, कुलदेवता, ग्रामदेवता और पितृ देवताओं को आहुति दी जाती है।

इसके बाद अपने आराध्य देव या गायत्री मंत्र का जाप करते हुए हवन सामग्री अग्नि में अर्पित की जाती है। प्रत्येक मंत्र के अंत में "स्वाहा" बोलना शुभ माना गया है।

हवन का सबसे महत्वपूर्ण चरण पूर्णाहुति माना जाता है। इसके लिए सूखे नारियल में हवन सामग्री भरकर कलावे से बांधा जाता है और उसे हवन कुंड में अर्पित किया जाता है। पूर्णाहुति के बाद आरती की जाती है और हवन की भस्म को प्रसाद स्वरूप माथे पर लगाया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि विधिपूर्वक किया गया हवन घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने, वातावरण को पवित्र बनाने और आध्यात्मिक शांति प्रदान करने में सहायक होता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

हवन की सरल विधि

- स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- ईशान कोण (उत्तर–पूर्व) में हवन कुंड स्थापित करें।
- भगवान गणेश का स्मरण कर कलश स्थापना करें।
- आम की लकड़ी व समिधा रखकर अग्नि प्रज्वलित करें।
- गणेश, नवग्रह और देवताओं को आहुति दें।
- गायत्री मंत्र या आराध्य मंत्र के साथ "स्वाहा" बोलकर हवन सामग्री अर्पित करें।
- घी, जौ, तिल और हवन सामग्री की नियमित आहुति दें।
- सूखे नारियल से पूर्णाहुति करें।
- अंत में आरती कर भस्म का तिलक लगाएं।

हवन में रखें यह सावधानियां

- हवन सामग्री शुद्ध और साफ हो।
- हवन कुंड के पास ज्वलनशील वस्तुएं न रखें।
- आहुति अंगूठे, मध्यमा और अनामिका से दें।
- हवन शांत और स्वच्छ स्थान पर करें।
- हवन के बाद बची सामग्री को पवित्र स्थान पर विसर्जित करें।

जैसी सोच, वैसा बनता है इंसान का जीवन

यूनिक समय, मथुरा। प्राचीन भारतीय ज्ञान और आधुनिक मनोविज्ञान एक महत्वपूर्ण बात पर सहमत दिखाई देते हैं–मनुष्य की सोच उसके जीवन की दिशा तय करती है। ऋषि अष्टावक्र ने राजा जनक को बताया था कि व्यक्ति जैसा स्वयं को मानता है, वैसा ही बन जाता है। यदि वह स्वयं को स्वतंत्र समझता है तो स्वतंत्रता का अनुभव करता है, और यदि खुद को बंधनों में जकड़ा मानता है तो उसी मानसिकता में जीता रहता है।

आधुनिक मनोविज्ञान भी इसी सिद्धांत की पुष्टि करता है। विशेषज्ञों के

अनुसार हमारा मस्तिष्क उन विचारों और विश्वासों के अनुसार काम करता है, जिन्हें हम बार–बार दोहराते हैं। सकारात्मक सोच आत्मविश्वास बढ़ाती है, जबकि नकारात्मक विचार मनोबल को कमजोर कर देते हैं।

वैज्ञानिक दृष्टि से दिमाग में मौजूद रेटिक्युलर एक्टिवेटिंग सिस्टम एक फिल्टर की तरह काम करता है। जब हम किसी लक्ष्य, अवसर या सफलता पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो मस्तिष्क उसी दिशा में संभावनाएं खोजने लगता है। इसके विपरीत डर, असफलता और संदेह पर ध्यान देने से हमारा फोकस समस्याओं पर टिक जाता है।

यही कारण है कि विचारों की शक्ति को जीवन का महत्वपूर्ण आधार माना गया है। सकारात्मक सोच केवल प्रेरक वाक्य नहीं, बल्कि व्यवहार और निर्णयों को प्रभावित करने वाली वास्तविक मानसिक प्रक्रिया है।

बच्चों को सफल बनाती हैं चाणक्य की यह सीख

यूनिक समय, मथुरा। बच्चों का भविष्य केवल अच्छी पढ़ाई से नहीं, बल्कि मजबूत आदतों और संस्कारों से भी बनता है। आचार्य चाणक्य ने जीवन में सफलता और समझदारी के लिए कुछ ऐसे सिद्धांत बताए हैं, जिन्हें बचपन से सिखाना बेहद जरूरी माना जाता है। चाणक्य के अनुसार बच्चों को अच्छी संगति चुनना सिखाना चाहिए, क्योंकि दोस्तों का प्रभाव व्यक्तित्व पर गहरा असर डालता है। साथ ही उन्हें दूसरों की राय से अधिक अपने चरित्र और ईमानदारी को महत्व देना चाहिए। डिजिटल युग में निजी बातों और भावनाओं को हर किसी से साझा न करने की समझ भी आवश्यक है।

बच्चों में बोलने से पहले सोचने, अनुशासन बनाए रखने और सही–गलत का विवेक विकसित करने की आदत डालनी चाहिए। ये गुण उन्हें आत्मनिर्भर, जिम्मेदार और सफल इंसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चाणक्य की ये शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं, जितनी सदियों पहले थीं।

करियर की उड़ान बढ़ाएंगे लैपटॉप पर यह शुभ वॉलपेपर

यूनिक समय, मथुरा। आज के डिजिटल युग में लैपटॉप केवल काम का साधन नहीं, बल्कि हमारी दिनचर्या का अहम हिस्सा बन चुका है। दिनभर नजर जिस स्क्रीन पर टिकी रहती है, उसका प्रभाव हमारी सोच और कार्यशैली पर भी पड़ सकता है। वास्तु शास्त्र में माना गया है कि सकारात्मक प्रतीकों और प्रेरणादायक तस्वीरों का मानसिक ऊर्जा पर अच्छा असर होता है। इसी वजह से कई लोग अपने लैपटॉप वॉलपेपर को भी शुभ और प्रेरणादायक बनाने लगे हैं।

वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार, करियर में सफलता और प्रगति की कामना रखने वाले लोगों को ऐसे वॉलपेपर चुनने

चाहिए जो उत्साह, आत्मविश्वास और लक्ष्य के प्रति समर्पण की भावना जगाएं। हालांकि सफलता का आधार मेहनत और कौशल ही होता है, लेकिन सकारात्मक वातावरण व्यक्ति को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित कर सकता है। दौड़ते हुए सात घोड़ों की तस्वीर को वास्तु में गति, प्रगति और सफलता का प्रतीक माना गया है। यह चित्र आगे बढ़ने और चुनौतियों का सामना करने की प्रेरणा देता है। वहीं उगते सूरज की तस्वीर नई शुरुआत, आशा और ऊर्जा का संदेश देती है। माना जाता है कि यह व्यक्ति के भीतर सकारात्मक सोच को मजबूत करती है।

हरी–भरी प्रकृति, पेड़–पौधे और शांत प्राकृतिक दृश्यों वाले वॉलपेपर भी लोकप्रिय हैं। ऐसे दृश्य मानसिक तनाव कम करने और काम के दौरान एकाग्रता बनाए रखने में सहायक माने जाते हैं। लगातार स्क्रीन पर काम करने वालों के लिए यह विकल्प काफी उपयोगी माना जाता है। बहती नदी, झरना या स्वच्छ जल की तस्वीरें भी वास्तु में शुभ मानी जाती हैं। पानी को निरंतर प्रवाह और नई संभावनाओं का प्रतीक माना गया है। ऐसे वॉलपेपर व्यक्ति को रुकावटों से आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। इसके अलावा ऊंचे पहाड़, पर्वत शिखर या मंजिल तक पहुंचने वाले रास्तों की तस्वीरें लक्ष्य, धैर्य और उपलब्धि का संदेश देती हैं। छात्र और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवा अक्सर ऐसे वॉलपेपर पसंद करते हैं। कई लोग परिवार की तस्वीर को भी वॉलपेपर बनाते हैं। वास्तु मान्यताओं के अनुसार, यह भावनात्मक संतुलन और आत्मिक मजबूती प्रदान करती है। कुल मिलाकर, सकारात्मक और प्रेरणादायक वॉलपेपर व्यक्ति को अपने लक्ष्य की याद दिलाते हैं तथा काम के प्रति उत्साह बनाए रखने में मदद कर सकते हैं।

सम्पादकीय

भंडारों की भरमार, भूखे रह गए बेजुबान जीव

अधिक मास को सनातन परंपरा में दान, पुण्य और सेवा का विशेष अवसर माना जाता है। इस बार भी ब्रज क्षेत्र से लेकर देश के अनेक धार्मिक स्थलों तक भंडारों की ऐसी धूम रही कि मानो हर गली और हर चौराहे पर प्रसाद वितरण की प्रतियोगिता चल रही हो। गरीबों, साधु–संतों और श्रद्धालुओं को भरपेट भोजन कराने के लिए लोगों ने दिल खोलकर धन खर्च किया। यह निस्संदेह सराहनीय पहल है, क्योंकि भूखे को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य माना गया है।

पवन गौतम
संपादक

लेकिन इस पुण्य पर्व की एक तस्वीर ऐसी भी रही, जिस पर शायद किसी की नजर नहीं गई। भंडारों के विशाल पंडालों के आसपास घूमती गायें, भोजन की तलाश में भटकते कुत्ते, पेड़ों पर बैठे बंदर और दाना–पानी को तरसते पक्षी मानो यह पूछते नजर आए कि क्या दान–पुण्य का अधिकार केवल मनुष्यों तक सीमित है?

विडंबना यह रही कि जहां एक ओर भंडारों में कई लोग स्वाद और विविधता के आकर्षण में एक से अधिक स्थानों पर भोजन करते दिखाई दिए, वहीं अनेक बेजुबान जीव भोजन के एक टुकड़े के लिए इधर–उधर भटकते रहे। धार्मिक ग्रंथों में जीव सेवा को ईश्वर सेवा का ही रूप बताया गया है। गाय को माता का दर्जा दिया गया है, पक्षियों को दाना डालना पुण्य माना गया है और पशुओं की सेवा को करुणा का सर्वोच्च उदाहरण कहा गया है। इसके बावजूद हमारे धार्मिक आयोजनों में यह भावना अक्सर पीछे छूट जाती है।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

व्यंग्य यह है कि कुछ लोग भंडारे के मंच पर अपनी तस्वीरें खिंचवाने और सोशल मीडिया पर सेवा भाव का प्रदर्शन करने में तो आगे रहते हैं, लेकिन एक कटोरी पानी या कुछ रोटियां किसी बेजुबान जीव के लिए निकालने का समय नहीं निकाल पाते। शायद इसलिए क्योंकि पशु–पक्षी न तो धन्यवाद देते हैं, न प्रशंसा करते हैं और न ही तस्वीरों में दिखाई देते हैं।

अधिक मास का वास्तविक संदेश केवल मनुष्य सेवा तक सीमित नहीं है। यह समस्त सृष्टि के प्रति दया, करुणा और संवेदनशीलता का पर्व है। यदि अगले अधिक मास में भंडारों के साथ गायों के लिए चारा, कुत्तों के लिए भोजन और पक्षियों के लिए दाना–पानी की व्यवस्था भी दिखाई दे, तभी दान–पुण्य की यह परंपरा अपने पूर्ण अर्थ में सार्थक कही जाएगी।

नजरिया

ट्रंप के ऐलान से बढ़ी इजराइल की चिंता

बोध प्रकाश सगुणी

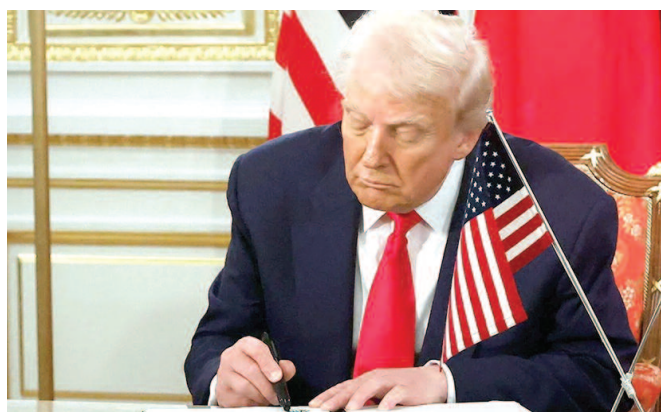

मध्य पूर्व एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है, जहां एक घोषणा पूरी दुनिया की राजनीति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावित कर सकती है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ संभावित शांति समझौते और नौसैनिक घेराबंदी हटाने की घोषणा कर अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में हलचल पैदा कर दी है। यह घटनाक्रम केवल दो देशों के बीच समझौते तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके प्रभाव इजराइल, लेबनान, खाड़ी देशों और वैश्विक ऊर्जा बाजार तक महसूस किए जाएंगे।

ट्रंप ने इसे अपनी सबसे बड़ी कूटनीतिक उपलब्धियों में से एक बताया है। उनका दावा है कि वर्षों से चले आ रहे तनाव को समाप्त करने का रास्ता अब साफ हो गया है। लेकिन सवाल यह है कि क्या वास्तव में यह शांति की दिशा में बढ़ता कदम है या फिर एक नई रणनीतिक बिसात की शुरुआत?

ईरान और अमेरिका के संबंध पिछले चार दशकों से अविश्वास, प्रतिबंधों और टकराव से भरे रहे हैं। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद दोनों देशों के रिश्ते कभी सामान्य नहीं हो सके। कई बार बातचीत हुई, समझौते हुए और टूटे भी। ऐसे में यदि दोनों पक्ष किसी नए समझौते की ओर बढ़ रहे हैं तो यह निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण घटना है।

हालांकि इस पूरे घटनाक्रम में सबसे अधिक असहज दिखाई देने वाला पक्ष इजराइल है। प्रधानमंत्री लंबे समय से ईरान को अस्तित्वगत खतरा बताते रहे हैं। उनका मानना है कि ईरान की क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाएं और परमाणु कार्यक्रम इजराइल की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती हैं। इसलिए अमेरिका और ईरान के बीच किसी भी प्रकार की नरमी को इजराइल संदेह की दृष्टि से देखता है।

किसी भी समझौते की सफलता उसके क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। प्रस्तावित मसौदे में लेबनान सहित विभिन्न मोर्चों पर युद्धविराम, नौसैनिक घेराबंदी हटाने, होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने और ईरान पर आर्थिक प्रतिबंधों में राहत जैसे प्रावधान बताए जा रहे हैं। यदि यह सब लागू होता है तो वैश्विक अर्थव्यवस्था को बड़ा लाभ मिल सकता है।

होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है। दुनिया के तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। यहां किसी भी प्रकार का तनाव तेल की कीमतों को प्रभावित करता है और उसका असर दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ता है। इसलिए इस मार्ग के सामान्य संचालन की संभावना अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए राहत का संकेत मानी जा सकती है।

लेकिन दूसरी तरफ वास्तविकता यह भी है कि मध्य पूर्व में संघर्ष केवल अमेरिका और ईरान के बीच का मुद्दा नहीं है। यहां अनेक क्षेत्रीय शक्तियां, वैचारिक मतभेद, धार्मिक विभाजन और सुरक्षा चिंताएं एक–दूसरे से जुड़ी हुई हैं। लेबनान में हिजबुल्लाह, गाजा में विभिन्न गुट, सीरिया की स्थिति और यमन का संघर्ष ऐसे कई मुद्दे हैं जो किसी एक समझौते से तुरंत समाप्त नहीं होने वाले।यही कारण है कि इजराइल की प्रतिक्रिया महत्वपूर्ण बन जाती है। यदि नेतन्याहू सरकार लेबनान संबंधी प्रावधानों को मानने से इंकार करती है और हिजबुल्लाह के खिलाफ अभियान जारी रखती है, तो संघर्ष की आग बुझने के बजाय नए रूप में भड़क सकती है। शांति समझौते की सबसे बड़ी चुनौती यही होगी कि सभी पक्ष उसे स्वीकार करें और उसका पालन करें।

ट्रंप और नेतन्याहू के बीच बढ़ती दूरी भी इस घटनाक्रम का महत्वपूर्ण पहलू है। लंबे समय तक दोनों नेताओं को करीबी सहयोगी माना जाता रहा है। लेकिन हाल के बयानों से स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि दोनों के दृष्टिकोण में अंतर उभर रहा है।

ट्रंप जहां व्यापक क्षेत्रीय समझौते के माध्यम से स्थिरता स्थापित करना चाहते हैं, वहीं नेतन्याहू सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कठोर रुख बनाए रखना चाहते हैं।

ईरान इस समझौते को अपनी कूटनीतिक जीत के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास कर रहा है। तेहरान का संदेश स्पष्ट है कि वर्षों के दबाव और प्रतिबंधों के बावजूद उसने अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा की है। यह घरेलू राजनीति के लिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि किसी भी सरकार को अपने नागरिकों के सामने अपनी उपलब्धियां दिखानी होती हैं।

हालांकि यह भी याद रखना होगा कि कूटनीति में जीत और हार की परिभाषाएं अक्सर जटिल होती हैं। कई बार दोनों पक्ष अपने–अपने देश में समझौते को सफलता के रूप में प्रस्तुत करते हैं ताकि राजनीतिक समर्थन बना रहे। इसलिए किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले आधिकारिक दस्तावेजों और उनके वास्तविक प्रभावों का इंतजार करना आवश्यक है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक बड़ा आर्थिक पक्ष भी है। यदि प्रतिबंधों में राहत मिलती है और ईरानी तेल वैश्विक बाजार में अधिक मात्रा में आता है, तो ऊर्जा क्षेत्र में नए समीकरण बन सकते हैं। इससे तेल की कीमतों पर प्रभाव पड़ सकता है और ऊर्जा आयात करने वाले देशों को राहत मिल सकती है। दूसरी ओर तेल उत्पादक देशों को अपनी रणनीतियों में बदलाव करना पड़ सकता है।

भारत जैसे देशों के लिए भी यह स्थिति महत्वपूर्ण है। भारत की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात पर निर्भर है। मध्य पूर्व में स्थिरता और तेल आपूर्ति की निरंतरता भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक साबित हो सकती है। इसलिए नई दिल्ली सहित दुनिया की अनेक राजधानियां इन घटनाओं पर करीबी नजर बनाए हुए हैं।

अंततः यह कहा जा सकता है कि ट्रंप की घोषणा ने उम्मीद और आशंका दोनों को जन्म दिया है। एक तरफ दशकों पुराने तनाव को कम करने की संभावना दिखाई देती है, तो दूसरी तरफ क्षेत्रीय विरोधाभास और राजनीतिक असहमति इस प्रक्रिया को कठिन बनाते हैं। शांति केवल दस्तावेजों पर हस्ताक्षर से स्थापित नहीं होती, बल्कि उसे व्यवहार में उतारने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, पारस्परिक विश्वास और निरंतर संवाद की आवश्यकता होती है। स्विट्जरलैंड में प्रस्तावित हस्ताक्षर समारोह पर अब पूरी दुनिया की नजरें टिकी हैं। वहां केवल एक समझौते पर हस्ताक्षर नहीं होंगे, बल्कि यह भी तय होगा कि मध्य पूर्व आने वाले वर्षों में सहयोग और स्थिरता की दिशा में बढ़ेगा या फिर पुराने संघर्ष नए रूप में सामने आएंगे। फिलहाल इतना स्पष्ट है कि क्षेत्र की राजनीति एक नए दौर में प्रवेश कर रही है और उसके परिणाम दूरगामी होंगे।

विचार विण्डो

स्कूल संवरेंगे तभी संवरेंगे प्रदेश के सपने

राम प्रकाश वर्मा

उत्तर प्रदेश लंबे समय तक उन राज्यों में गिना जाता रहा है जहां सरकारी स्कूलों की बदहाल तस्वीर अक्सर चर्चा का विषय बनती थी। जर्जर भवन, शिक्षकों की कमी, घटता नामांकन और निजी स्कूलों की बढ़ती लोकप्रियता ने सरकारी शिक्षा व्यवस्था पर कई सवाल खड़े किए। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में स्थिति बदलती नजर आ रही है। परिषदीय विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, ऑपरेशन कायाकल्प, निःशुल्क यूनिफॉर्म, जूते–मोजे, पुस्तकें और डिजिटल शिक्षा जैसी योजनाओं ने सरकारी स्कूलों की तस्वीर बदलने का प्रयास किया है। ऐसे समय में बिहार सरकार द्वारा सरकारी शिक्षकों के निजी कोचिंग और ट्यूशन से जुड़ने पर रोक लगाने का फैसला उत्तर प्रदेश के लिए भी एक महत्वपूर्ण संदेश लेकर आया है। यूपी में बेसिक शिक्षा परिषद के अंतर्गत हजारों प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय संचालित हैं। इनमें बड़ी संख्या में ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे शिक्षा प्राप्त करते हैं। सरकार ने विद्यालयों के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए बड़े पैमाने पर निवेश किया है। कई स्कूलों में आधुनिक सुविधाएं पहुंची हैं और नामांकन में भी वृद्धि दर्ज की गई है। लेकिन शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर चुनौतियां अभी भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं।

शिक्षा व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी शिक्षक होते हैं। यदि शिक्षक पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ बच्चों को पढ़ाएं तो सीमित संसाधनों में भी बेहतर परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। लेकिन जब कुछ शिक्षक अपनी ऊर्जा निजी ट्यूशन और कोचिंग संस्थानों में अधिक लगाने लगते हैं, तब सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चे प्रभावित होते हैं। यह समस्या केवल बिहार तक सीमित नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में समय–समय पर सामने आती रही है।

विडंबना यह है कि कई बार जिस शिक्षक की सरकारी विद्यालय की कक्षा में छात्रों की संख्या सीमित होती है, उसी शिक्षक की निजी कोचिंग में विद्यार्थियों की भीड़ दिखाई देती है। इसका सीधा अर्थ है कि शिक्षक की क्षमता पर सवाल नहीं है, बल्कि उसकी प्राथमिकताओं पर प्रश्नचिह्न है। जब गुणवत्तापूर्ण शिक्षा स्कूल के बजाय कोचिंग सेंटर में मिलने लगे तो शिक्षा व्यवस्था में असमानता बढ़ना स्वाभाविक है।

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार ने शिक्षा सुधार को प्राथमिकता दी है। ऑपरेशन कायाकल्प के तहत विद्यालयों में शौचालय, पेयजल, बिजली, फर्नीचर और अन्य मूलभूत सुविधाओं का विस्तार किया गया। निपुण भारत मिशन के माध्यम से बच्चों की बुनियादी सीखने

की क्षमता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। इन प्रयासों के सकारात्मक परिणाम भी दिखाई दिए हैं। कई सरकारी विद्यालयों ने बोर्ड परीक्षाओं और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन किया है। इसके बावजूद शिक्षा की गुणवत्ता को और मजबूत करने की आवश्यकता बनी हुई है। यदि सरकार स्कूलों के ढांचे पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है तो यह भी सुनिश्चित होना चाहिए कि कक्षा में पढ़ाई का स्तर उच्च हो। इसके लिए शिक्षकों की जवाबदेही तय करना आवश्यक है। निजी ट्यूशन और कोचिंग से जुड़े मामलों की निगरानी होनी चाहिए ताकि सरकारी विद्यालयों के छात्रों का हित प्रभावित न हो। हालांकि यह भी ध्यान रखना होगा कि केवल प्रतिबंध लगाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। शिक्षकों को पर्याप्त प्रशिक्षण, बेहतर कार्य वातावरण और प्रोत्साहन भी मिलना चाहिए। आज उत्तर प्रदेश के अभिभावकों की सोच में भी बदलाव दिखाई दे रहा है। बढ़ती निजी स्कूल फीस के कारण मध्यम वर्ग और ग्रामीण परिवार सरकारी विद्यालयों की ओर फिर से आकर्षित हो रहे हैं। यदि इन विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित हो जाए तो यह बदलाव और तेज हो सकता है। इससे शिक्षा पर होने वाला आर्थिक बोझ कम होगा और गरीब तथा अमीर के बीच शैक्षिक अंतर भी घटेगा।

कोचिंग संस्कृति ने देशभर में शिक्षा को एक बड़े व्यवसाय का रूप दे दिया है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से लेकर स्कूल स्तर तक कोचिंग पर निर्भरता लगातार बढ़ी है। लेकिन आदर्श स्थिति वही होगी जब स्कूल ही बच्चों की अधिकांश शैक्षणिक जरूरतों को पूरा कर सकें। सरकारी विद्यालयों को ऐसा केंद्र बनाना होगा जहां विद्यार्थियों को अतिरिक्त ट्यूशन की आवश्यकता महसूस न हो। उत्तर प्रदेश के लिए यह समय सरकारी शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने का है। यदि विद्यालयों में आधुनिक सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण अध्यापन सुनिश्चित किया जाए, शिक्षकों की जवाबदेही तय हो और शिक्षा को सेवा भावना से जोड़ा जाए, तो सरकारी स्कूल निजी संस्थानों को भी चुनौती दे सकते हैं। शिक्षा केवल नौकरी पाने का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी साधन है। यूपी में सरकारी स्कूलों की बढ़ती साख निश्चित रूप से उत्साहजनक संकेत है। अब आवश्यकता इस बात की है कि इस सकारात्मक बदलाव को स्थायी बनाया जाए।

यदि सरकार, शिक्षक, अभिभावक और समाज मिलकर प्रयास करें तो सरकारी विद्यालय एक बार फिर शिक्षा के सबसे भरोसेमंद केंद्र बन सकते हैं। यही वह रास्ता है जो प्रदेश के लाखों बच्चों को बेहतर भविष्य और समान अवसर प्रदान कर सकता है।

ब्राजील में मशहूर कलाकारों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में हुए एक भीषण हेलिकॉप्टर हादसे में अमेरिकी सिंगर, रैपर और म्यूजिक प्रोड्यूसर ओलिवर ट्री समेत छह लोगों की मौत हो गई। रिपोर्ट्स के अनुसार, रविवार को हवा में दो हेलिकॉप्टरों की टक्कर हो गई, जिसके बाद दोनों क्रैश होकर आग की चपेट में आ गए। हादसे में अर्जेंटीना के लोकप्रिय यूट्यूबर गैस्पर प्रिम (गैस्पी), लुकास विग्नेल, लुकास ब्रिटो चावेस और दोनों हेलिकॉप्टरों के पायलटों की भी जान चली गई। किसी के बचने की सूचना नहीं है। 32 वर्षीय ओलिवर ट्री अपने दुनियाभर में मशहूर थे। वह इन दिनों अंतरराष्ट्रीय म्यूजिक टूर पर थे और जल्द ही यूरोप व एशिया में कई शो करने वाले थे। रियो डी जेनेरियो पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है।

साउथ अफ्रीका और पाकिस्तान को लगा झटका

आईसीसी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईसीसी वनडे टीम रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया ने शानदार वापसी करते हुए बड़ा फायदा हासिल किया है। बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के आखिरी मुकाबले में मिली रोमांचक जीत ने कंगारू टीम को रैंकिंग में एक स्थान ऊपर पहुंचा दिया है। इसके साथ ही साउथ अफ्रीका को एक पायदान का नुकसान उठाना पड़ा, जबकि पाकिस्तान की स्थिति भी चिंता बढ़ाने वाली बनी हुई है। बांग्लादेश ने सीरीज के शुरुआती दोनों मैच जीतकर ऑस्ट्रेलिया पर दबाव बना दिया था। ऐसे में तीसरा वनडे कंगारू टीम के लिए प्रतिष्ठा का मुकाबला बन गया। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 274 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया

ने आखिरी क्षणों तक चले रोमांचक मुकाबले में एक विकेट से जीत दर्ज कर सीरीज में क्लीन स्वीप से खुद को बचा लिया। इस जीत का असर सीधे आईसीसी रैंकिंग पर देखने को मिला। मैच से पहले ऑस्ट्रेलिया 101 रेटिंग अंकों के साथ चौथे स्थान पर थी। जीत के बाद उसकी रेटिंग 102 हो गई और टीम तीसरे स्थान पर पहुंच गई। साउथ अफ्रीका की रेटिंग भी 102 है, लेकिन दशमलव अंकों में पीछे रहने के कारण उसे चौथे स्थान पर खिसकना पड़ा।

कंगारू टीम की बढ़ी बादशाहत

वहीं, बांग्लादेश की रेटिंग 88 से घटकर 87 हो गई है, हालांकि टीम अभी भी नौवें स्थान पर कायम है। दूसरी ओर पाकिस्तान 100 रेटिंग अंकों के साथ पांचवें नंबर पर बना हुआ है। पाकिस्तान के लिए चिंता की बात यह है कि निकट भविष्य में उसका कोई वनडे कार्यक्रम तय नहीं है, जिससे रैंकिंग में सुधार का मौका फिलहाल नजर नहीं आ रहा। ताजा रैंकिंग ने साफ कर दिया है कि शीर्ष टीमों के बीच मुकाबला बेहद कड़ा है ऑस्ट्रेलिया की वापसी ने रेस को और रोमांचक बना दिया है।

भारत से हार पर फूटा अख्तर का गुस्सा

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में भारत ने पाकिस्तान को 64 रन से हराकर टूर्नामेंट में शानदार आगाज किया। एजबेस्टन में खेले गए इस मुकाबले में स्मृति मंधाना की 68 रन की बेहतरीन पारी और दीप्ति शर्मा के 5 विकेट ने पाकिस्तान को पूरी तरह बैकफुट पर धकेल दिया। भारत ने 20 ओवर में 170/6 का स्कोर बनाया, जिसके जवाब में पाकिस्तान की टीम 106 रन पर सिमट गई। इस हार के बाद पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर की प्रतिक्रिया चर्चा में है। भारत के खिलाफ मिली एक और बड़ी हार से निराश अख्तर ने टीम के प्रदर्शन पर नाराजगी जताई। वहीं, मैच ने महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण में सबसे ज्यादा 18,814 दर्शकों का नया रिकॉर्ड भी बनाया।

रोनाल्डो की टीम रच सकती है इतिहास

रोनाल्डो के सामने 96 साल पुराने रिकॉर्ड की चुनौती

यूनिक समय, नई दिल्ली। फीफा विश्वकप 2026 के रोमांच के बीच सोशल मीडिया पर एक दिलचस्प संयोग तेजी से वायरल हो रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, 1930 में खेले गए पहले विश्वकप से लेकर 2022 तक जितनी भी टीमों ने खिताब जीता है, उन सभी के मुख्य कोच उसी देश के नागरिक रहे हैं, जिस देश की टीम विश्व चैंपियन बनी। पिछले 96 वर्षों में यह सिलसिला कभी नहीं टूटा, जिससे यह रिकॉर्ड फुटबॉल प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय बन गया है।

इस आंकड़े के सामने आने के बाद अर्जेंटीना, फ्रांस, स्पेन, ब्राजील और इंग्लैंड जैसी टीमों के समर्थकों में उत्साह बढ़ गया है। फैंस का मानना है कि यदि यह पैटर्न बरकरार रहता है तो इन देशों की दावेदारी और मजबूत हो सकती है। खासकर अर्जेंटीना और फ्रांस के प्रशंसक इसे अपने पक्ष में शुभ संकेत मान रहे हैं। दूसरी ओर, क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल के सामने इस 96 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ने की चुनौती है। यदि पुर्तगाल विश्वकप जीतने में सफल रहती है, तो यह पहली बार होगा जब यह ऐतिहासिक पैटर्न टूटेगा। ऐसे में रोनाल्डो के लिए यह उपलब्धि उनके शानदार करियर की सबसे यादगार उपलब्धियों में से एक बन सकती है।

संचिता उगाले ने सुसाइड से पहले शेयर किया वीडियो

संचिता उगाले की मौत से स्तब्ध हुए फैंस

अंतिम पोस्ट देखकर भावुक हुए प्रशंसक

यूनिक समय, नई दिल्ली। टीवी और मनोरंजन जगत से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। अभिनेत्री संचिता उगाले के निधन ने उनके प्रशंसकों और इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को गहरे सदमे में डाल दिया है। महज 30 वर्ष की उम्र में दुनिया को अलविदा कहने वाली संचिता की मौत को लेकर शुरुआती जांच में पुलिस इसे आत्महत्या का मामला मान रही है। हालांकि, उनकी मौत से ठीक पहले सोशल मीडिया पर साझा किया गया एक वीडियो अब चर्चा का विषय बन गया है। रविवार शाम करीब 7 बजे संचिता उगाले के निधन की खबर सामने आई। पुलिस के अनुसार, घटना के समय अभिनेत्री घर पर अकेली थीं। मामले की जांच जारी है और अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर ऐसा क्या हुआ, जिसने उन्हें यह कदम उठाने पर मजबूर किया। फिलहाल पुलिस सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रही है और जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी।

इस बीच, संचिता की आखिरी इंस्टाग्राम रील सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो उनकी मौत से लगभग एक घंटे पहले पोस्ट किया गया था। वीडियो में वह बेहद खुश, आत्मविश्वास से भरी और मुस्कुराती हुई नजर आ रही हैं। यही वजह है कि उनके प्रशंसक इस दुखद खबर को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं।

वायरल वीडियो में संचिता गुलाबी रंग के खूबसूरत अनारकली सूट में दिखाई देती हैं। उन्होंने माथे पर बिंदी, कानों में झुमके और हाथों में चूड़ियां पहन रखी हैं। पारंपरिक अंदाज में सजी अभिनेत्री कैमरे के सामने सेल्फी वीडियो बनाती नजर आती हैं। वीडियो में वह लोकप्रिय गीत 'डफली वाले... मैं नाचूं तू नचा' और 'राधा तेरी चुनरी' पर लिप–सिंक करती और हल्के–फुल्के अंदाज में झूमती दिखाई देती हैं। उनके चेहरे की मुस्कान और सकारात्मक ऊर्जा देखकर फैंस भावुक हो गए हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो पर लोग लगातार प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कई यूजर्स का कहना है कि वीडियो में संचिता बिल्कुल सामान्य और खुश नजर आ रही थीं, इसलिए उनकी मौत की खबर ने सभी को हैरान कर दिया। हालांकि, मानसिक और भावनात्मक संघर्ष हमेशा बाहरी व्यवहार से स्पष्ट नहीं होते, इसलिए केवल किसी वीडियो या पोस्ट के आधार पर किसी व्यक्ति की स्थिति का आकलन करना संभव नहीं होता।

संचिता उगाले ने अपने अभिनय करियर के दौरान कई चर्चित प्रोजेक्टस में काम किया था। उनके अचानक निधन से मनोरंजन जगत में शोक की लहर है। फैंस सोशल मीडिया पर उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। वहीं, सभी की नजर अब पुलिस जांच पर टिकी है, जिससे इस पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सके।

श्रीलीला के बर्थडे पर कार्तिक आर्यन की मिस्ट्री सेल्फी वायरल

यूनिक समय, नई दिल्ली। साउथ सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री श्रीलीला आज अपना जन्मदिन मना रही हैं और इस खास मौके पर अभिनेता कार्तिक आर्यन ने उन्हें बेहद खास अंदाज में बधाई दी है। आधी रात को साझा की गई एक पोस्ट ने न सिर्फ फैंस का ध्यान खींचा, बल्कि सोशल मीडिया पर दोनों के रिश्ते को लेकर नई चर्चाओं को भी हवा दे दी है। दरअसल, कार्तिक आर्यन ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक मिस्ट्री सेल्फी शेयर करते हुए श्रीलीला को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। तस्वीर में दोनों बाइक राइड का आनंद लेते नजर आ रहे हैं। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि फोटो किसी फिल्म की शूटिंग की है या फिर किसी निजी ट्रिप की। लेकिन तस्वीर से ज्यादा लोगों का ध्यान बाइक के शीशे पर लिखे एक संदेश ने खींचा। शीशे पर लिखा था, यानी "शीशे में दिखाई देने वाली चीजें वास्तव में जितनी दिखती हैं, उससे ज्यादा

करीब होती हैं।" इस तस्वीर के साथ कार्तिक ने लिखा, हैप्पी वर्थडे वहीं, श्रीलीला ने भी इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, धन्यवाद । दोनों के बीच हुई इस प्यारी बातचीत के बाद सोशल मीडिया पर फैंस तरह–तरह के कयास लगाने लगे। कई यूजर्स ने कमेंट करते हुए पूछा कि क्या दोनों के बीच सिर्फ दोस्ती है या कुछ और भी चल रहा है।

कार्तिक और श्रीलीला जल्द ही निर्देशक अनुराग बसु की रोमांटिक फिल्म 'तू मेरी जिंदगी है' में साथ नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को पहले 'आशिकी 3' के नाम से जाना जा रहा था। फिल्म के पहले लुक में भी दोनों की शानदार केमिस्ट्री देखने को मिली थी, जिसके बाद से ही दर्शकों के बीच इस जोड़ी को लेकर उत्सुकता बनी हुई है।

दिलचस्प बात यह है कि फिल्म के लिए पहले अभिनेत्री तृप्ति डिमरी का नाम चर्चा में था। बाद में श्रीलीला को फिल्म में

मिस्ट्री सेल्फी ने बढ़ाई डेटिंग की चर्चाएं

मिरर मैसेज पढ़ फैंस लगाने लगे कयास

शामिल किया गया। इस बदलाव को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई गईं, लेकिन अनुराग बसु ने साफ किया था कि कास्टिंग में बदलाव की वजह सिर्फ डेट्स का टकराव था।

वर्कफ्रंट की बात करें तो कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी फिल्म 'नागजिला' की शूटिंग में व्यस्त हैं। वहीं श्रीलीला अभिनेता नितिन के साथ अपनी आगामी फिल्म 'रॉबिनहुड' पर काम कर रही हैं। फिलहाल, कार्तिक की बर्थडे पोस्ट और मिस्ट्री सेल्फी सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है और फैंस दोनों की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री को बड़े पर्दे पर देखने का इंतजार कर रहे हैं।

धीरज ने विश्वकप में जीते दो गोल्ड

यूनिक समय, नई दिल्ली। तुर्किये के अंताल्या में भारतीय तीरंदाज धीरज बोम्मादेवरा ने दो स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया, लेकिन उनकी सफलता के पीछे संघर्ष और परिवार के त्याग की प्रेरक कहानी छिपी है।

24 वर्षीय धीरज ने विश्व तीरंदाजी विश्वकप स्टेज–3 में पहले कुमकुम मोहोड के साथ रिकर्व मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण जीता, फिर पुरुष व्यक्तिगत रिकर्व वर्ग में दक्षिण कोरिया के ली वू सियोक को हराकर दूसरा गोल्ड अपने नाम किया।

मां ने धनुष खरीदने के लिए मंगलसूत्र गिरवी रखा

पांच साल बाद विश्वकप में चमका भारत

धीरज के करियर में एक समय ऐसा भी आया था जब आर्थिक तंगी के कारण वह तीरंदाजी छोड़ने का मन बना चुके थे। बेहतर उपकरण खरीदने के लिए उनकी मां रेवती ने अपना मंगलसूत्र गिरवी रख दिया, जबकि पिता श्रवण कुमार ने बेटे की मदद के लिए खुद तीरंदाजी सीखी और बाद में जज बन गए।

पेरिस ओलंपिक की निराशा के बाद धीरज ने हार नहीं मानी और अब विश्व मंच पर दो स्वर्ण जीतकर अपने माता–पिता के त्याग को सार्थक कर दिखाया। उनकी यह उपलब्धि लाखों युवाओं के लिए संघर्ष, समर्पण और सफलता की मिसाल बन गई है।

जेवर एयरपोर्ट से उड़ी पहली व्यावसायिक उड़ान

172 किसानों ने भरी पहली उड़ान, इतिहास के बने गवाह

पहली उड़ान में शामिल हुए किसान पहुंचे लखनऊ

विकास यात्रा पर जताया गर्व

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोगों का वर्षों पुराना इंतजार आखिरकार खत्म हो गया। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) से सोमवार को पहली व्यावसायिक उड़ान शुरू होने के साथ ही क्षेत्र ने विमानन इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया। इंडिगो का विमान 172 किसानों को लेकर लखनऊ के लिए रवाना हुआ। ये वे किसान हैं जिन्होंने एयरपोर्ट निर्माण के लिए अपनी जमीन दी थी।

इस ऐतिहासिक अवसर पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू मौजूद रहे। उन्होंने इसे देश के विमानन क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण दिन बताते हुए किसानों के योगदान को सम्मान देने की सराहना की। लखनऊ पहुंचने पर किसानों की मुलाकात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कराई जाएगी।

एयरपोर्ट से पहले चरण में लखनऊ, बेंगलुरु, हैदराबाद और अमृतसर के लिए उड़ान सेवाएं शुरू की गई हैं। वहीं 1 जुलाई से 16 शहरों के लिए नियमित उड़ान संचालन की योजना है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश का पांचवां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बन गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश, एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों में व्यापार, उद्योग, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। साथ ही लोगों को दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर निर्भरता से भी राहत मिलेगी।

योगी ने जेवर के किसानों का सपना किया साकार

यूनिक समय, लखनऊ । नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से शुरू हुई पहली व्यावसायिक उड़ान कई किसानों के लिए यादगार बन गई। एयरपोर्ट निर्माण के लिए जमीन देने वाले किसान पहली बार हवाई यात्रा कर लखनऊपहुंचे तो उनके चेहरे खुशी और गर्व से खिल उठे। किसानों ने इसे जीवन का ऐतिहासिक और भावुक पल बताया।

लखनऊ पहुंचने पर किसानों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताते हुए कहा कि वर्षों पुराना सपना आज साकार हुआ है। किसान पूनम ने कहा कि एयरपोर्ट के लिए उनकी जमीन गई थी और अब उसी एयरपोर्ट से पहली उड़ान में सफर करना अविस्मरणीय अनुभव है। किसान धर्मवीर शर्मा ने कहा कि सरकार ने साबित कर दिया है कि विकास का लाभ गांवों तक पहुंच रहा है। हाजी जफर ने कहा कि "हवाई चप्पल पहनने वालों को हवाई जहाज में बैठाने" का सपना अब हकीकत बन गया है। महिला किसान सुमन और मीनू ने भी पहली हवाई यात्रा को जीवन का सबसे खास अनुभव बताया। किसानों का कहना है कि एयरपोर्ट केवल विकास परियोजना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए नए अवसरों का द्वार है। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों को विकास यात्रा का सहभागी बनाकर उनका सम्मान बढ़ाया है।

जेवर एयरपोर्ट की नन्ही यात्री हुई वायरल

यूनिक समय, नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन के साथ एक नन्ही यात्री सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई है। पायलट की वेशभूषा में एयरपोर्ट पहुंची इस बच्ची का वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग उसकी मासूम अदाओं को खूब पसंद कर रहे हैं।

दरअसल, लखनऊ से नोएडा पहुंचने वाली पहली व्यावसायिक उड़ान में यह बच्ची भी यात्रा कर रही थी। एयरपोर्ट पर उतरते ही पायलट की यूनिफॉर्म पहने उसकी तस्वीरें और वीडियो कैमरों में कैद हो गए। इसके बाद वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो को समाचार एजेंसी एएनआई ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया है। पोस्ट में बताया गया कि यह बच्ची नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरने वाली पहली कमर्शियल फ्लाइट की यात्री थी।

लोग वीडियो पर दिलचस्प प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कई यूजर्स ने बच्ची को "भविष्य की पायलट" बताया, जबकि कुछ ने उसकी मासूमियत और आत्मविश्वास की सराहना की। एयरपोर्ट के ऐतिहासिक उद्घाटन के बीच यह नन्ही यात्री भी आकर्षण का केंद्र बन गई।

पायलट ड्रेस में जीता सबका दिल

वीडियो को मिल रहा खूब प्यार

चलती बस बनी आग का गोला, 50 यात्रियों ने कूदकर बचाई जान

यूनिक समय, आगरा। आगरा में रविवार देर रात एक बड़ा हादसा टल गया, जब यात्रियों से भरी एक प्राइवेट बस में अचानक आग लग गई। बस में सवार करीब 40 से 50 यात्रियों ने समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। घटना ईदगाह बस स्टैंड के पास रात करीब 1:30 बजे की है।

जानकारी के अनुसार राजस्थान के धौलपुर स्थित बसेड़ी से सोरों जा रही प्राइवेट बस आगरा पहुंचते ही आग की चपेट में आ गई। आग लगते ही बस में अफरा-तफरी मच गई और यात्रियों में चीख-पुकार शुरू हो गई। चालक और यात्रियों की सतर्कता के चलते सभी लोग बस से बाहर निकलने में सफल रहे।घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। स्थानीय लोगों की मदद से करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक बस पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी।

आग लगते ही मची अफरा-तफरी

एक घंटे बाद बुझ सकी आग

प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। बस में सवार यात्री महेश ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ यात्रा कर रहे थे। अचानक आग लगने पर सभी यात्रियों ने बस से कूदकर अपनी जान बचाई। पुलिस और फायर विभाग मामले की जांच में जुटे हैं। राहत की बात यह रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

कपड़ा कारोबारी के घर डकैती

बदमाशों ने घर में घुसकर मचाया तांडव, लाखों की लूट

कपड़ा कारोबारी के परिवार को बनाया बंधक

बिजली काटकर घर में घुसे बदमाश

यूनिक समय, आगरा। बाह क्षेत्र के जरार कस्बे में रविवार देर रात हथियारबंद बदमाशों ने कपड़ा कारोबारी के घर डकैती की सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने पहले घर का बिजली कनेक्शन काटा और फिर परिवार को बंधक बनाकर करीब 20 लाख रुपये मूल्य के जेवर, नकदी और अन्य सामान लूट ले गए।

पीड़ित कारोबारी अमरीश गुप्ता ने बताया कि रात करीब एक बजे अचानक बिजली चली गई। गर्मी के कारण जब उन्होंने दरवाजा खोला तो बाहर पहले से घात लगाए बदमाशों ने उन पर हमला कर दिया। बंदूक की बट से सिर पर वार कर उन्हें घायल कर दिया गया। इसके बाद पांच बदमाश घर में घुस आए और तमंचों के बल पर कारोबारी, उनकी पत्नी लक्ष्मी और बुजुर्ग मां चंद्रकांता को बंधक बना लिया। बदमाशों ने परिवार के मोबाइल फोन पानी में फेंक दिए और पूरे घर में जमकर लूटपाट की। विरोध करने पर कारोबारी की कनपटी पर तमंचा तान दिया गया। जान बचाने के लिए उन्होंने अपने हाथों की अंगूठियां भी बदमाशों को सौंप दीं। पीड़ित के अनुसार बदमाश करीब 10 तोला सोना, 300 ग्राम चांदी और 25 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए। जाते समय वे परिवार को कमरे में बंद कर गए। शोर सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही डीसीपी ईस्ट अभिषेक अग्रवाल समेत पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। वारदात से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

राम मंदिर चढ़ावा मामले की जांच तेज, अयोध्या पहुंची एसआईटी टीम

यूनिक समय, अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की दान पेटिका में कथित अनियमितताओं और चढ़ावे में गबन के आरोपों की जांच अब तेज हो गई है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) सोमवार दोपहर अयोध्या पहुंच गया और मामले से जुड़े दस्तावेजों, वित्तीय अभिलेखों तथा अन्य साक्ष्यों की जांच शुरू कर दी।

बताया गया कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से जांच की मांग किए जाने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एसआईटी के गठन को मंजूरी दी थी। अवकाश के कारण टीम रविवार को नहीं पहुंच सकी थी, जबकि सोमवार से औपचारिक जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई। शासन ने एसआईटी को सात दिनों के भीतर प्रारंभिक आंतरिक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है।

वहीं 15 दिनों के अंदर विस्तृत जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। जांच टीम दान पेटिका में जमा धनराशि, लेखा-जोखा, बैंकिंग रिकॉर्ड और संबंधित दस्तावेजों का गहन परीक्षण करेगी। मामला करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा होने के कारण पूरे देश की नजरें इस जांच पर टिकी हैं। अयोध्या में श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि यदि किसी ने धार्मिक दान में गड़बड़ी की है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। उनका कहना है कि दोषियों को सजा मिलने से धार्मिक संस्थाओं की विश्वसनीयता बनी रहेगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगेगी। इधर, जांच के बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय अस्वस्थ बताए जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार उन्हें जुकाम और शुगर बढ़ने की शिकायत है। वहीं ट्रस्ट के वरिष्ठ सदस्य अनिल मिश्रा चिकित्सकीय परामर्श और जांच के लिए केरल गए हुए हैं। एसआईटी की जांच से दान पेटिका प्रकरण के सभी पहलुओं पर से पर्दा उठने की उम्मीद जताई जा रही है। श्रद्धालु चाहते हैं कि जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए, ताकि पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सके।

सात दिन में देगी प्रारंभिक रिपोर्ट

पंद्रह दिनों में पूरी होगी जांच

पीएचडी छात्रा ने खाया सल्फास

छह महीने के मासूम को छोड़ गई मां

यूनिक समय, आगरा। दयालबाग शिक्षण संस्थान की एक शोध छात्रा ने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर आत्महत्या कर ली। घटना से परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस जांच में सामने आया है कि छात्रा ने सल्फास की गोलियां ऑनलाइन मंगवाई थीं। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। दयालबाग क्षेत्र की रहने वाली 30 वर्षीय नम्रता गुप्ता पीएचडी कर रही थीं। वर्ष 2024 में उनकी शादी विकास कुमार से हुई थी, जो कोचिंग संचालित करते हैं और स्वयं भी शोध कार्य कर रहे हैं। दंपती का छह माह का एक बेटा है।

पुलिस के अनुसार, नम्रता शुक्रवार को अपने मायके गई थीं। शाम को उन्होंने सल्फास की गोलियां खा लीं और इसकी जानकारी फोन पर अपने पति को दी। परिजन तत्काल उन्हें एसएन मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

अमेरिका-ईरान में बनी सहमति,युद्ध विराम तय

यूनिक समय, नई दिल्ली। कई महीनों की तनावपूर्ण स्थिति के बाद अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते पर सहमति बनने की खबर सामने आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि दोनों देशों के बीच समझौता हो गया है और अब क्षेत्र में स्थिरता बहाल होने की उम्मीद बढ़ गई है।

रिपोर्टों के अनुसार दोनों देशों के बीच 19 जून को स्विट्जरलैंड के जेनेवा में औपचारिक समझौते पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। यदि ऐसा होता है तो यह लगभग पांच दशक बाद अमेरिका और ईरान के बीच सबसे महत्वपूर्ण उच्चस्तरीय समझौता माना जाएगा।

ट्रम्प ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोला जाएगा और ईरानी बंदरगाहों पर लगी अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी हटाई जाएगी। उन्होंने दुनिया भर के व्यापारिक जहाजों से सामान्य गतिविधियां शुरू करने की अपील भी की।

हालांकि ईरान ने समझौते पर अंतिम

19 जून को हो सकते हस्ताक्षर

होर्मुज जलडमरूमध्य फिर खुलेगा

हस्ताक्षर से पहले तीन प्रमुख शर्तें रखी हैं। इनमें नौसैनिक नाकेबंदी समाप्त करना, सभी सैन्य कार्रवाइयों को रोकना और ईरान के फ्रीज किए गए फंड जारी करना शामिल है।

इस बीच भारत सहित कई देशों ने इस पहल का स्वागत किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उम्मीद जताई कि इस समझौते से पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता लौटेगी तथा वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ रहे दबाव में कमी आएगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह समझौता सफलतापूर्वक लागू होता है तो तेल बाजार, समुद्री व्यापार और वैश्विक अर्थव्यवस्था को बड़ी राहत मिल सकती है।

मोदी ने किया स्वागत शांति समझौते से उम्मीदें बढ़ीं

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वागत किया है। उन्होंने इसे पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता बहाल करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि लंबे समय से जारी संघर्ष का असर केवल क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और व्यापार पर भी पड़ा है।

मोदी ने उम्मीद जताई कि समझौते के लागू होने से समुद्री व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति सामान्य होगी। विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य के दोबारा खुलने से तेल आपूर्ति में सुधार और वैश्विक बाजारों को राहत मिलने की संभावना है।

शांति समझौते की खबर का सकारात्मक असर अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी दिखाई दिया। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आई, जबकि शेयर बाजारों में तेजी दर्ज की गई। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समझौता सफलतापूर्वक लागू हुआ तो दुनिया की अर्थव्यवस्था को बड़ी राहत मिल सकती है और व्यापारिक गतिविधियां नई गति पकड़ सकती हैं।

रोशन आनंद को मिली जमानत, भाई को देंगे मुखाग्नि

यूनिक समय, नई दिल्ली। ज्ञान बिंदु जीएस एकेडमी के संचालक रोशन आनंद को पटना सिविल कोर्ट से जमानत मिल गई है। जमानत मिलने के बाद वह सहरसा जाकर अपने छोटे भाई प्रिंस यादव के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे। प्रिंस यादव की नेपाल के विराटनगर स्थित एक होटल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, प्रिंस यादव की मौत का कारण नशे की ओवरडोज माना जा रहा है, हालांकि नेपाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और उनके साथ मौजूद लोगों से पूछताछ की जा रही है।

रोशन आनंद और उनके भाई प्रिंस यादव का नाम 2 जून को खान ग्लोबल स्टडीज पर हुए हमले के मामले में सामने आया था। पुलिस ने 3 जून को रोशन आनंद को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।

इस बीच, प्रिंस यादव की मौत और उससे जुड़े एक कथित ऑडियो के वायरल होने के बाद मामला और चर्चा में आ गया है। पुलिस और प्रशासन पूरे घटनाक्रम की जांच में जुटे हैं।

टीएमसी के 20 सांसदों ने बदला सियासी ठिकाना

यूनिक समय, नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 20 बागी सांसदों के नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। वर्ष 2023 में पति-पत्नी उत्तिया कुंडू और शेउली कुंडू द्वारा स्थापित यह छोटी पार्टी अचानक राष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में आ गई है।

हावड़ा स्थित एनसीपीआई कार्यालय के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पार्टी के अध्यक्ष उत्तिया कुंडू और कोषाध्यक्ष शेउली कुंडू हैं। दिलचस्प बात यह है कि पार्टी ने अपने शुरुआती दिनों में "दलबदलुओं को नकारो" का नारा दिया था। बागी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष से अलग गुट के रूप

तीन साल पुरानी पार्टी बनी चर्चा

संसद में अलग पहचान की मांग

में मान्यता और संसद में अलग बैठने की व्यवस्था की मांग की है। सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने दावा किया कि उनके साथ टीएमसी के दो-तिहाई सांसद हैं और वे एनडीए को समर्थन देंगे।वहीं, ममता बनर्जी खेमे ने इस कदम का विरोध करते हुए बागी गुट को मान्यता नहीं देने की मांग की है। अब टीएमसी के नाम और चुनाव चिह्न को लेकर सियासी तथा कानूनी लड़ाई तेज होने के आसार हैं।

थोक महंगाई बढ़ी, आम आदमी की बढ़ी चिंता

यूनिक समय, नई दिल्ली। महंगाई के मोर्चे पर आम लोगों को एक और झटका लगा है। मई 2026 में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर बढ़कर 9.68 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो अप्रैल में 8.26 प्रतिशत थी। लगातार बढ़ती महंगाई ने सरकार, उद्योग जगत और उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ा दी है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, थोक स्तर पर कीमतों में तेजी का सबसे बड़ा कारण ईंधन, बिजली और कच्चे तेल की बढ़ती लागत रही है। ईंधन और बिजली श्रेणी में महंगाई अप्रैल के 24.89 प्रतिशत से बढ़कर मई में 30.33 प्रतिशत हो गई। वहीं कच्चे तेल की महंगाई दर 61.51 प्रतिशत तक पहुंच गई।

महंगाई का असर रसोई तक भी पहुंचा है। खाने-पीने की वस्तुओं में थोक महंगाई अप्रैल के 2.43 प्रतिशत से बढ़कर मई में 3.60 प्रतिशत दर्ज की गई। इसके अलावा फैक्ट्रियों में बनने वाले उत्पादों की लागत भी

मई में महंगाई पहुंची 9.68 प्रतिशत

खाद्य वस्तुएं और ईंधन हुए महंगे

बढ़ी है, जिससे मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों की महंगाई 7.48 प्रतिशत पर पहुंच गई।

विशेषज्ञों के मुताबिक पश्चिम एशिया में जारी तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े हालात के कारण वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है। इसका असर भारत के आयात खर्च और घरेलू बाजार पर भी दिखाई दे रहा है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यदि ईंधन और कच्चे तेल की कीमतों में जल्द राहत नहीं मिली तो आने वाले महीनों में खुदरा बाजार में भी महंगाई का दबाव बढ़ सकता है, जिससे आम उपभोक्ताओं की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

भारत को फ्रांस से मिला निवेश और नवाचार का न्योता

यूनिक समय, नई दिल्ली। फ्रांस में आयोजित 'भारत इनोवेट्स 2026' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया भर के निवेशकों, उद्यमियों और शोधकर्ताओं को भारत में निवेश और साझेदारी का खुला निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि भारत अब केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि वैश्विक समाधान विकसित करने वाला प्रमुख नवाचार केंद्र बन चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने तकनीकी क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष तकनीक, रक्षा, स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने निवेशकों से भारत आकर शोध, डिजाइन और विकास के क्षेत्र में सहयोग करने का आह्वान किया।

मोदी ने कहा कि भारत साझेदारी आधारित विकास मॉडल पर काम कर रहा है, जिससे दुनिया की बड़ी चुनौतियों के समाधान खोजे जा सकते हैं।

सोना-चांदी फिर चमके, निवेशकों की बढ़ी दिलचस्पी

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति समझौते की खबरों के बाद सोमवार को सोना और चांदी की कीमतों में फिर तेजी देखने को मिली। वैश्विक बाजारों में सकारात्मक संकेतों का असर घरेलू बाजार पर भी दिखाई दिया, जहां निवेशकों ने कीमती धातुओं में रुचि दिखाई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अगस्त डिलीवरी वाला सोना वायदा 1.71 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,53,490 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं चांदी वायदा 0.94 प्रतिशत चढ़कर 2,53,520 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार करती दिखाई दी। देश के

एमसीएक्स में दर्ज हुई तेजी बाजार में लौटा निवेशकों का भरोसा

प्रमुख शहरों में 24 कैरेट सोने का भाव 1.52 लाख से 1.53 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच रहा। चेन्नई में सोना सबसे महंगा 1,53,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया। वहीं चांदी की कीमतों में भी मजबूती बनी रही। शांति समझौते की खबर का असर शेयर बाजार पर भी दिखा। सेंसेक्स 1,126 अंकों की तेजी के साथ खुला, जबकि निफ्टी ने 24 हजार के स्तर को छू लिया। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक घटना क्रमों के बीच निवेशक सुरक्षित निवेश विकल्पों के रूप में सोने-चांदी पर नजर बनाए हुए हैं।

मानसून थमा, बारिश को तरसे 17 राज्य

यूनिक समय, नई दिल्ली। देशभर में मानसून का इंतजार कर रहे करोड़ों लोगों के लिए फिलहाल राहत की खबर नहीं है। दक्षिण-पश्चिम मानसून की रफ्तार अचानक धीमी पड़ गई है और सैटेलाइट तस्वीरों में भी इसका असर साफ दिखाई दे रहा है। 15 जून को जारी तस्वीरों में देश के बड़े हिस्से से मानसूनी बादल लगभग गायब नजर आए, जिससे कई राज्यों में बारिश का इंतजार और लंबा हो गया है।

मौसम विभाग के अनुसार 4 जून से 15 जून के बीच देश में सामान्य तौर पर 53.7 मिमी बारिश होनी चाहिए थी, लेकिन इस अवधि में केवल 19.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई। यानी अब तक 64 प्रतिशत कम बारिश हुई है। इसका असर खेती-किसानी से लेकर आम जनजीवन तक दिखाई देने लगा है।

राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश,

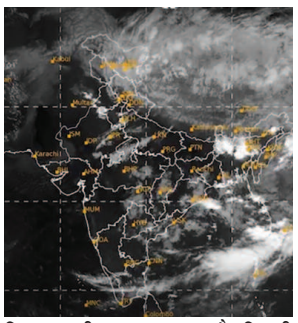

बिहार, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और दिल्ली समेत 17 राज्यों में मानसून की रफ्तार थमने से लोगों को उमस और गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मानसून दक्षिण भारत से आगे बढ़ने के बाद महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के आसपास ठहर गया है, जबकि पूर्वोत्तर राज्यों को कवर करने के बाद बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल की ओर

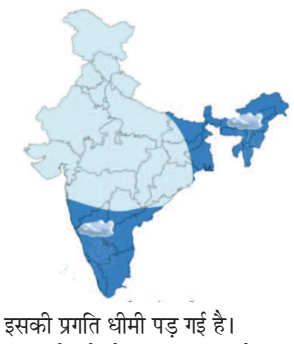

इसकी प्रगति धीमी पड़ गई है।

विशेषज्ञों के अनुसार समुद्र में नमी की कमी नहीं है, बल्कि ऊपरी वायुमंडल में हवाओं का असामान्य पैटर्न मानसून की राह में बाधा बन रहा है। पश्चिमी जेट स्ट्रीम सामान्य से अधिक दक्षिण की ओर खिसक गई है, जिससे मानसून को आगे बढ़ाने वाली हवाएं कमजोर पड़ गई हैं। परिणामस्वरूप अरब सागर और बंगाल

सैटेलाइट तस्वीरों से बढ़ी चिंता

64 प्रतिशत कम हुई बारिश

की खाड़ी में पर्याप्त नमी होने के बावजूद घने बादल विकसित नहीं हो पा रहे हैं। हालांकि मौसम विभाग ने अगले दो दिनों में कुछ राहत की संभावना जताई है। बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम और मेघालय में बारिश के आसार हैं। वहीं राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। दूसरी ओर महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में 17 जून तक लू और उमस भरा मौसम बने रहने का अनुमान है।

जलघर में मिली सिर कटी लाश, सनसनी

यूनिक समय, नई दिल्ली। हरियाणा के रोहतक जिले के इस्माईला गांव में सोमवार सुबह एक युवक की सिर कटी लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान 33 वर्षीय नीरज के रूप में हुई है, जो गांव के 9बी क्षेत्र का निवासी था।

जानकारी के अनुसार जलघर में पानी की सप्लाई शुरू करने पहुंचे कर्मचारियों ने शव देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच शुरू कर दी। घटनास्थल के पास से खून से सनी एक कस्सी, चप्पल और कमीज बरामद हुई है, जिन्हें जांच के लिए भेजा गया है।

पुलिस का मानना है कि नीरज की हत्या किसी धारदार हथियार से की गई।

रोहतक के गांव में खौफनाक वारदात

खून से सनी कस्सी बनी सुराग

प्रारंभिक जांच में दो से तीन हमलावरों के शामिल होने की आशंका जताई जा रही है। नीरज एक फैक्ट्री में मजदूरी करता था और पिछले कुछ दिनों से काम पर नहीं जा रहा था।

पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

सरकारी कार्यालयों में स्वच्छता बढ़ाएंगे अभिनव प्रयास

हर कार्यालय होगा स्वच्छ–सुंदर : डीएम

यूनिक समय, मथुरा। सरकारी कार्यालय और कार्यालय परिसर को स्वच्छ- सुंदर रखने के लिए डीएम ने सभी अधिकारी और कर्मचारियों को पत्र लिखा है। स्वच्छता के लिए सभी को प्रेरित करते हुए उत्साहवर्द्धन भी किया है।

डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने जनपद के सभी सरकारी विभागों के विभागाध्यक्ष और कर्मचारियों को पत्र लिखा है। कहा है कि राजकीय सेवा में रहने वाले कार्मिक ऐसा मान लेते हैं कि यह कार्यालय मेरा नहीं है, जबकि कार्य दिवस में प्रतिदिन आठ घंटे कार्यालय में बैठकर काम करना कार्मिक का ही काम है।

ऐसे में अपने कार्यालय और परिसर को स्वच्छ, सुंदर और सुव्यवस्थित

सीपी सिंह, डीएम

रखना सभी का नैतिक कर्तव्य भी है। डीएम का कहना है कि स्वच्छ और साफ सुथरा कार्यालय न केवल कार्य कुशलता में वृद्धि करता है, बल्कि विभाग की सकारात्मक छवि को भी प्रस्तुत करता है। इसके लिए उन्होंने प्रत्येक शनिवार को कार्यालय और

डीएम ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को लिखा पत्र

कार्यालय और कार्यालय परिसर की सफाई होनी चाहिए वरीयता

हर शनिवार विशेष सफाई अभियान अनिवार्य

परिसर में एक घंटे का विशेष अभियान स्वच्छता से संबंधित चलाने की अपेक्षा करते हुए कहाहै कि इससे कार्यालय की अलग पहचान बनेगी। इसके लिए प्रत्येक शनिवार को कार्यालय कक्ष और परिसर की सफाई कराई जाए। अभिलेख, फाइल, कार्यालय सामग्री, फर्नीचर, अलमारी को व्यवस्थित रूप से रखा जाए, अनावश्यक और बेकार सामग्री को नष्ट कर दिया जाए। कूड़ेदान का उपयोग होना चाहिए, जबकि शौचालय- पेयजल स्थलों की स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया जाए, पेड़-पौधों का उचित रखरखाव किया जाए।

डीएम ने सभी अधिकारी और कर्मचारियों से इस पुनीत कार्य में सहयोग मांगा है। वहीं इसके लिए निरीक्षण की भी व्यवस्था की गई है। 25 बिंदुओं पर होने वाले निरीक्षण में कर्मचारियों के वेशभूषा को भी शामिल किया गया है।

सोमवार शाम को भगवान परशुराम शोभायात्रा समिति और यमुना महारानी सेवा समिति के तत्वाधान में भगवान श्री कृष्ण की पटरानी यमुना महारानी और लड्डू गोपाल को विशेष रूप से फूलों से सजाई नौका में विराजमान किया गया। आराध्य के समक्ष 56 भोग और आम का बंगला सजाया गया।

श्रद्धालुओं से भरे लोडर वाहन में ट्रोला ने मारी टक्कर, दो की मौत

यूनिक समय, मथुरा। रविवार रात को थाना रिफाइनरी क्षेत्र में गोवर्धन से गिरिराजजी की परिक्रमा लगाकर लौट रहे लोडर वाहन में ट्रोला ने टक्कर मार दी। हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि एक दर्जन घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

मध्य प्रदेश के जिला रायपुर के रहने वाले करीब दो दर्जन श्रद्धालुओं का जत्था गिरिराज जी की परिक्रमा पूरी कर लोडर वाहन से अपने घर लौट रहा था। रविवार रात रिफाइनरी क्षेत्र में पीछे से ट्राल ने लोडर वाहन में टक्कर मार दी। हादसा होते मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही रिफाइनरी पुलिस मौके पर पहुंच गई। सभी घायलों को जिला अस्पताल

थाना रिफाइनरी क्षेत्र में हुए हादसे में 13 घायल

मृतक और घायल लौट रहे थे गोवर्धन परिक्रमा से

पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने दीवान सिंह और हरिकिशन को मृत घोषित कर दिया, जबकि 13 घायलों का इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी मिलने के बाद सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्र घायलों का हाल जानने जिला अस्पताल पहुंचे। सीएमएस डॉ. नीरज अग्रवाल ने बताया कि सभी घायलों का उपचार चल रहा है, सभी खतरे से बाहर हैं।

गलत दिशा के वाहनों ने बिगाड़ा यातायात सिस्टम

कृष्णा नगर से गोवर्धन चौराहे की तरफ रॉन्ग साइड दौड़ते वाहन।

यूनिक समय, मथुरा। शहर में लगने वाले जाम की सबसे बड़ी वजह अब लोगों की लापरवाही बनती जा रही है। गोवर्धन चौराहे पर रोजाना ऐसा नजारा देखने को मिलता है, जहां ई–रिक्शा और अन्य वाहन चालक नियमों को ताक पर रखकर रॉन्ग साइड से वाहन निकालते हैं। यही लापरवाही कुछ ही देर में बड़े जाम का रूप ले लेती है।

चौराहे पर कई चालक जल्दी निकलने के चक्कर में गलत दिशा से वाहन लेकर आ जाते हैं। इसके बाद सामने से आने वाले वाहनों का रास्ता रुक जाता है और धीरे–धीरे लंबी कतार लग जाती है। ट्रैफिक पुलिसकर्मी चौराहे पर खड़े होकर लगातार व्यवस्था संभालने का प्रयास करते हैं। सीटी बजाकर और लोगों को समझाकर यातायात को ठीक रखने की कोशिश की कोशिश करती है,

रॉन्ग साइड चल रहे ई–रिक्शा और वाहन बन रहे परेशानी की वजह

लेकिन कई वाहन चालक उनकी बातों को नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे में पुलिस को जाम खुलवाने में काफी मशक्कत करनी पड़ती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि सभी चालक यातायात नियमों का पालन करें और रॉन्ग साइड चलने से बचें, तो जाम की समस्या काफी हद तक कम हो सकती है। खासकर ई–रिक्शा चालकों को निर्धारित मार्ग पर ही चलना चाहिए और बीच सड़क पर वाहन रोकने से बचना चाहिए। शहर की ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए पुलिस और प्रशासन के साथ–साथ आम लोगों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए।

बाइक को पिकअप मैक्स ने मारी टक्कर

यूनिक समय छाता। छाता–शेरगढ़ रोड पर नाले के समीप बाइक सवार पति–पत्नी को पिकअप मैक्स ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में पति की मौत हो गई, जबकि पत्नी घायल हो गई। पुलिस ने पत्नी हॉस्पिटल में भर्ती कराया है।पैगांव निवासी राजकुमार आज प्रातः पत्नी पूजा के साथ बाइक से जा रहा था। छाता–शेरगढ़ रोड पर नाले के पास तरौली मोड़ पर बाइक को पिकअप मैक्स ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में राजकुमार की मौके पर मौत

पति की मौत, पत्नी घायल

हो गई और पत्नी घायल हो गई। पीआरवी को मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची छाता पुलिस ने राजकुमार के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पूजा को हॉस्पिटल में इलाज कराया। बताया गया कि उसे मामूली चोट आई।

1285 ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन पुलिस ने कांच वाली गली के मोड़ से गुलफान निवासी सीएफसी चौराहा मथुरा गेट वृंदावन को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1285 ग्राम गांजा बरामद कर उसके खिलाफ एनडीपीसी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

बल्देव क्षेत्र में मिला अज्ञात वृद्ध का शव

यूनिक समय, मथुरा। बल्देव इलाके में रजवाह किनारे मिले अज्ञात व्यक्ति की शिनाख्त गांव पिचाई थोक बिसावर निवासी रजन सिंह(55) के रुप में हुई। उसने अपने खेत और जमीन बेच दी थी, वह दिव्यांग रिक्शे में बैठकर भीख मांगता था। ग्रामीणों ने बताया मृतक अपना घर मकान व खेत अब कुछ बेच दिया था। और अब भीख मांग कर भंडारे में खाता था। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि मृतक ने भगवा रंग के कपड़े और गले में तुलसी की माला पहनी हुई है। मौके से उसकी एक दिव्यांग रिक्शा, उसके कपड़े भी मिले थे।

निकासी व्यवस्था फेल, गलियों में भरा पानी

जल निकासी का तंत्र फेल, गलियां ऊपर उठने से दूर होगी समस्या

यूनिक समय, बाजना। कस्बा को गोमत को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग विकास की नई पटकथा तो लिख रहा है, लेकिन यह विकास अब स्थानीय निवासियों के लिए मुसीबत का सबब बन गया है। गलियों में जलभराव और कीचड़ अब नागरिकों के लिए अनचाही समस्या बन रही है।

नागरिकों ने बताया कि कस्बा में मुख्य मार्ग के ऊंचे निर्माण के कारण बृजेश धर्म कांटे के सामने पत्थर मंडी रामनगर मोहल्ले की गलियां नीची हो गई हैं, जिससे यहां के निवासियों के लिए हर बरसात आफत लेकर आती

बाजना कस्बा की एक गली में भरा पानी।

है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि सड़क के ऊंचे स्तर के कारण पानी की निकासी के लिए कोई उचित ढलान या व्यवस्था नहीं छोड़ी गई है। रही–सही कसर कुछ लापरवाह दुकानदारों ने पूरी

बाजना कस्बा की एक गली में कीचड़।

कर दी है। बृजेश धर्म कांटे के सामने स्थित नाली में दुकानदारों द्वारा खुलेआम कचरा फेंका जा रहा है, जिससे नाली पूरी तरह जाम हो जाती है।

परिणाम यह है कि मामूली बारिश का पानी भी गलियों में जमा होकर घरों में घुस रहा है। रामनगर की गलियों में घुटनों तक भरे पानी ने निवासियों का जीना मुहाल कर दिया है। बच्चे स्कूल जाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे और बुजुर्ग अपने ही घरों में कैद होकर रह गए हैं।

गंदगी के कारण बीमारी फैलने का खतरा भी मंडरा रहा है। आक्रोशित निवासियों का कहना है कि यदि रोड ऊंचा बनाया गया है, तो उसी अनुपात में गलियों को भी ऊंचा उठाकर पक्का किया जाना चाहिए, ताकि जलभराव से हमेशा के लिए मुक्ति मिल सके।

मोहर्रम से पहले कर लें पीस कमेटी की बैठक: डीएम

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार को डीएम चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में मोहर्रम पर्व के संबंध में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक हुई। इस दौरान डीएम ने सभी एसडीएम और सीओ से कहा कि वह अपने–अपने क्षेत्रों में पीस कमेटी की बैठक करें। त्योहार रजिस्टर का अवलोकन तय करं और पूर्व में आई समस्याओं के निराकरण को प्रभावी कार्रवाई करें। सुरक्षा व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने वालों पर सख्त कार्रवाई करें, शरारती तत्वों को चिन्हित कर उन्हें नोटिस दें।

डीएम ने मोहर्रम पर सिविल डिफेंस के जवानों की ड्यूटी लगाएं, एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार को निर्देश दिए कि जुलूस के आगे - पीछे मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगाई जाए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से कहा कि वह इंटरनेट मीडिया की निगरानी करें, अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई करें, रूट डाइवर्जन की जानकारी प्रकाशित कराएं। डीएम ने नगर निगम, समस्त अधिशासी अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी आदि को नियमित साफ–सफाई, विद्युत विभाग को निर्बाध विद्युत आपूर्ति, और सीएमओ को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं, एसपी यातायात को सुदृढ़ यातायात प्रबंधन, पुलिस विभाग को सुरक्षा व्यवस्था के लिए निर्देश दिए।

बैठक में एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत, एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह, एसपी यातायात राजेश कुमार तिवारी, नगर मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्रा, सीओ सिटी आशना चौधरी, सीएमओ डॉ. राधावल्लभ, एसडीएम सदर आदेश कुमार, छाता वैभव गुप्ता, मांट दीपिका मेहर, महावन ऊषा सिंह, गोवर्धन सुशील कुमार सिंह, सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा-औषधि प्रशासन धीरेंद्र प्रताप सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।